MUMBAI TARANG ™

www.mumbaitarang.com

मुंबई तरंग

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

एक मिनट में कभी जिंदगी नही बदलती है

लेकिन एक मिनट में सोच कर लिया गया फैसला

आपकी पूरी जिंदगी बदल सकता है।

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-11 ❖ मुंबई ❖ रविवार 07 से 13 मार्च 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
एक महीने में मुंबई लोकल में कितने बढ़े यात्री, आंकड़ों में जानिए

पेज 5
यूपी के हर जिले में शुरु होगी फ्री आईएएस आईपीएस की कोचिंग, सीएम योगी ने की घोषणा

पेज 7
शहनाज गिल के नए गाने 'Fly' पर आया सिद्धार्थ शुक्ला का रिएक्शन, किया ट्वीट

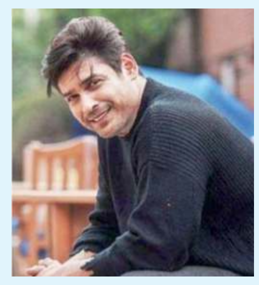

पेज 8
गंगा का सागर में समा जाना शरणागति का उत्तम उद्धरण है

जो कहते हैं वह करके दिखाते हैं! -मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

मुंबई, हम जो कहते हैं, वह करके दिखाते हैं। कई बार योजनाओं की घोषणा की जाती है। नारियल फोड़े जाते हैं लेकिन आगे काम नहीं होता। हमारी सरकार में ऐसा नहीं होगा। हम उन्हीं योजनाओं की घोषणा करते हैं, जो पूरी की जा सकती हैं। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल यह कहते हुए अपरोक्ष रूप से विपक्षियों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कल तीन लघु बांध परियोजनाओं का ऑनलाइन भूमिपूजन किया, इसमें मसूरे आंगनेवाड़ी, कोल्हापुरी बांध, मालोड-मालडी (मालवन), कुंभेवाडी लघु बांध (कणकवली) का समावेश है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मैं इस परियोजना का भूमिपूजन कर रहा हूं, इसका उद्घाटन भी मैं ही करूंगा। उन्होंने कहा कि कई झीलों और बांध का काम अभी बाकी है। गोसीखुर्द बांध के काम को गति दी गई है। रत्नागिरी में मेडिकल कॉलेज शुरू करने का विचार चल रहा है। चिपी में हवाई अड्डा जल्द शुरू किया जाएगा। पूरा कोकण प्राकृतिक सौंदर्य से भरा पड़ा है। कोकण का विकास हर हाल में किया जाएगा। हमारा कोकण संपन्न रहे।

मेरे हाथों हो महाराष्ट्र का विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि भराडी माता के चरणों में मैं प्रार्थना करता हूं कि मेरी शक्ति का कण-कण कोकण और महाराष्ट्र के भले के लिए हो। मेरे हाथों महाराष्ट्र का विकास हो। कोकण के विकास के लिए हम कटिबद्ध हैं।

किसानों के समर्पण को सलाम

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि कल राज्य की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की गई। कोरोना से विश्व की अर्थव्यवस्था बिगड़ी हुई है। इस संकटकाल में हमारे किसानों ने न केवल दो वक्त का भोजन उपलब्ध कराया बल्कि अर्थव्यवस्था को भी बल दिया। किसान वर्क प्रॉम होम नहीं कर सकते। सर्दी, बारिश, गर्मी में भी उन्हें खेत में जाना ही पड़ता है। उनके कष्ट और समर्पण के लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जिला, एक उत्पाद और उसे बाजार मिले। उपज की गुणवत्ता बेहतर रहे और उसका अधिक से अधिक निर्यात हो। इसके लिए हमारी सरकार ने कारगर योजना शुरू की है।

आप लोग साहेब के सच्चे शिवसैनिक

हम सत्ताधारी हैं। हमारी पार्टी का पक्षप्रमुख राज्य का मुख्यमंत्री है। राकांपा और कांग्रेस हमारे साथ हैं। हमारी सत्ता होने के बावजूद भी आप लोग अपने लिए कुछ नहीं मांग रहे हैं। आप लोगों ने रत्नागिरी में जनता के लिए मेडिकल कॉलेज मांगा है, जिसका मुझे गर्व है। कुछ लोग होते हैं, इधर-उधर करके खुद के लिए मांगते हैं। आप लोगों ने अपने लिए नहीं बल्कि कोकण की जनता के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज मांगा है। आप जनता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आप शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे के सच्चे शिवसैनिक हैं। यह कहकर मुख्यमंत्री ने शिवसैनिकों का उत्साह बढ़ाया।

इमरान पास लोकतंत्र फेल!... पाकिस्तान में 5 हिंदुओं का नरसंहार

इस्लामाबाद, नेशनल असेंबली में तमाम विरोधों के बावजूद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने विश्वास मत जीत लिया है। इमरान की कुर्सी बच गई है। गौरतलब है कि हाल में करीबी मुकाबले वाले सीनेट चुनाव में वित्त मंत्री की हार के बाद उनकी सरकार पर संकट आ गया था। इसी दौरान सूत्रों से खबर मिली है कि पाकिस्तान में ५ हिंदुओं का चाकू और कुल्हाड़ी से नरसंहार किया गया है। यहां इमरान तो पास' हो गए लेकिन लोकतंत्र फेल हो गया है। विपक्ष ने बहिष्कार किया था बता दें कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने संसद का विशेष सत्र बुलाया था। इमरान खान को संसद के ३४२ सदस्यीय निचले सदन में १७८ वोट मिले जबकि सामान्य बहुमत के लिए १७२ वोट की जरूरत थी। विपक्ष ने इसमें हिस्सा नहीं लिया क्योंकि ११ दलों के गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने मतविभाजन का बहिष्कार किया था। चाकू और कुल्हाड़ी से काटा सोचनीय बात है कि एक तरफ ये वोटिंग चल रही थी वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान में एक हिंदू परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई है।

महाराष्ट्रः लगातार दूसरे दिन 10 हजार से ज्यादा मामले, अबतक 22 लाख केस

- ✪ महाराष्ट्र में कोरोना के 10 हजार से अधिक नए मामले आए सामने, अबतक 22 लाख से ज्यादा केस
- ✪ विदर्भ, पुणे और मुंबई में तेजी से नए मामले सामने आने से पिछले 13 दिनों में एक लाख मामले जुड़े
- ✪ 47 और लोगों की मौत होने से मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 52,440 हो गई

मुंबई, महाराष्ट्र में शनिवार को लगातार दूसरे दिन कोरोना वायरस संक्रमण के 10,000 से अधिक नए मरीज सामने आने से संक्रमितों की संख्या 22,08,586 तक पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि विदर्भ, पुणे और मुंबई में तेजी से नए मामले सामने आने से पिछले 13 दिनों में एक लाख मामले जुड़े हैं। विभाग के मुताबिक राज्य में 10,187 नये मामले सामने आए। वहीं, 47 और लोगों की मौत होने से मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 52,440 हो गई। महाराष्ट्र में 21 फरवरी को संक्रमितों की संख्या 21 लाख को पार कर गई। उससे पहले करीब 31 दिनों में एक लाख नए मामले जुड़े थे। विदर्भ क्षेत्र और मुंबई, पुणे में तेजी से नए मामले बढ़ने से 21 फरवरी के बाद महज 13 दिनों में एक लाख नए मरीज आंकड़े में जुड़ गए और शनिवार को यह संख्या 22 लाख के पार चली गई।

इसके साथ ही अब संक्रमितों की संख्या 22 लाख 8 हजार 586 तक पहुंच गई।

राज्य में अबतक इतने मरीज हो चुके हैं ठीक

विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 6080 मरीजों के स्वस्थ होने के साथ ही राज्य में अब तक 20,62,031 रोगी ठीक हो चुके हैं। विभाग के अनुसार, फिलहाल 92,897 मरीज उपचाराधीन हैं तथा मरीजों के स्वस्थ होने की दर 93.36 फीसदी है। मरीजों की मौत की दर 2.37 फीसदी है। मुंबई में शनिवार को कोरोना वायरस के 1,188 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 3,32,208 हो गई, जबकि इस महामारी से पांच लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 11,500 पर पहुंच गई।

टीएमसी ने जारी की 291 उम्मीदवारों की लिस्ट, ममता बनर्जी नंदीग्राम से चुनाव लड़ेगी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 के लिए 291 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी। टीएमसी ने इस बार 24 मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है। TMC की लिस्ट में 100 ऐसे चेहरे हैं, जिन्हें पहली बार मौका दिया जा रहा है। 291 उम्मीदवारों की लिस्ट में 50 महिलाएं और 42 मुस्लिम उम्मीदवार शामिल हैं। दार्जिलिंग की 3 सीटों पर पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी। ये सीटें पार्टी के सहयोगियों के लिए छोड़ी गई हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बार नंदीग्राम से चुनावी मैदान में होंगी। नंदीग्राम को ममता के करीबी रहे और अब भाजपा में शामिल शुभेंदु अधिकारी का गढ़ माना जाता है। टीएमसी ने जब 2011 में चुनाव जीता था तब ममता बनर्जी ने किसी भी सीट से चुनाव नहीं लड़ा था। राज्य की मुख्यमंत्री बनने के बाद, उन्होंने साउथ कोलकाता में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा - जहां वह रहती हैं। विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने 50,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की। 2016 के विधानसभा चुनावों में, बनर्जी ने 25,000 से अधिक मतों के अंतर से सीट बरकरार रखी। ऐसे में अब ममता के नंदीग्राम से चुनाव लड़ने के फैसले को राजनीतिक मास्टरस्ट्रोक बताया जा रहा है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में इस बार 8 फेज में वोटिंग होगी। 294 सीटों वाली विधानसभा के लिए वोटिंग 27 मार्च (30 सीट), 1 अप्रैल (30 सीट), 6 अप्रैल (31 सीट), 10 अप्रैल (44 सीट), 17 अप्रैल (45 सीट), 22 अप्रैल (43 सीट), 26 अप्रैल (36 सीट), 29 अप्रैल (35 सीट) को होनी है। काउंटिंग 2 मई को की जाएगी।

पकड़ा गया गन पॉइंट पर डकैती डालनेवाला रॉबर

भायंदर, नवघर रोड पर ज्वेलर्स के यहां दिन-दहाड़े डवैâती डालनेवाले रॉबर को पुलिस ने हफ्तेभर के अंदर ही धर दबोचा। आरोपी को पकड़ने में सबसे बड़ी भूमिका जगह-जगह लगे सीसीटीवी वैâमरे ने निभाई, जिसके आधार पर पुलिस डकैत के घर तक पहुंच गई।

बता दें कि १ मार्च की शाम ४ बजे के आस-पास नवघर रोड स्थित श्रीराम ज्वेलर्स के पास रवीना गोल्ड नामक शॉप में गन पॉइंट पर लूटपाट की वारदात हुई थी। डीसीपी जोन-१ अमित काले ने बताया कि आरोपी ने यहां से आगे जाकर सबसे पहले अपने कपड़े बदले तथा नालासोपारा पहुंच गया। स्थानीय रिक्शेवालों ने पुलिस का भरपूर सहयोग किया। सीसीटीवी व रिक्शेवालों की मदद से पुलिस आरोपी के घर तक पहुंचने में कामयाब हुई। आरोपी भायंदर के जैसल पार्क एरिया में चांदी के गहने बनाने का कार्य करता था, जो मूलतः पश्चिम बंगाल का रहनेवाला है। एक दिन वह किसी काम से यहां आया था और रेकी करके चला गया, उसके बाद इस डवैती को अंजाम दिया। पुलिस ने उसके पास से लूटे गए १ लाख ७० हजार रुपए, १५ लाख ७५ हजार रुपए कीमत के ४५० ग्राम गोल्ड, ज्वेलरी व मोबाइल सहित रिवॉल्वर को बरामद कर लिया है।

कलेक्टर की लापरवाही की वजह से लगी आग

नवसारी के कबील पोर में श्रीजी रेसिडेंसी में आई हुई खोडियार काठियावादी ढाबा के खिलाफ सभी नगर पालिका ड्रग एंड फूड और कलेक्टर कई बार शिकायत दर्ज कराई गई पर यह होटल के ऊपर अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई क्या इसमें शासन प्रशासन शामिल है क्यों अब तक इनके ऊपर कोई लीगल एक्शन नहीं लिया गया जिनका नतीजा कल आग लगने की वजह से सामने आया आग लगने पर दूर-दूर तक धूवा ही धूवा नज़र आ रहा था रेसिडेंसी एरिया में घातक साबित हो सकता है

राजकोट जिला के बेडी 4 तालुका पंचायत की स्थानिक स्वराज्य इलेक्शन में बेडी सीट पर से चूवाडीया कोली ठाकोर समाज के भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्रीमान भरत भाई डाभि को भारी मतों से जीतने की खुशी मे मुम्बई तरंग न्यूज एवम चैनल के परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं

ज्यादा सताएगी गरमी

भारतीय मौसम विभाग का इस वर्ष अधिक गरमी पड़ने का आकलन हैरान भले न करता हो, मगर चिंतित करने वाला जरूर है। पिछले साल भी भारी गरमी का रिकॉर्ड बना था, बल्कि 2020 को भारतीय रिकॉर्ड में आठवां सबसे गरम साल बताया गया था। विशेषज्ञ काफी पहले से हमें आगाह करते रहे हैं कि इस उपमहाद्वीप में बसंत का दौर छोटा होता जा रहा है और हम सीधे सर्दियों से गरमी में पहुंचने लगे हैं। जाहिर है, इन सबका असर पूरे जीवन-चक्र पर पड़ रहा है। सूचना है कि पिछले महीने तापमान बढ़ने के कारण पूर्वी ओडिशा से प्रवासी पक्षी वक्त से पहले ही लौट गए। जानकारों के मुताबिक, दीर्घकाल में फसलों की उत्पादकता भी इससे प्रभावित हो सकती है। भारतीय मौसम विभाग ने इस बार अधिक गरमी पड़ने के पीछे जो तर्क दिए हैं, उसके मुताबिक, उत्तर भारत के मौसम का मिजाज पश्चिमी विक्षोभ से तय होता है। आम तौर पर फरवरी महीने में छह बार ये विक्षोभ आते हैं, लेकिन इस बार ऐसी एक ही स्थिति बन सकी। मौसम में हो रहे इस बदलाव को महसूस करने के लिए अब हम ऐसी सूचनाओं पर बहुत निर्भर नहीं हैं, क्योंकि बेमौसम बारिश, वर्षा-पैटर्न में तब्दीली, सर्दियों में ग्लेशियरों का टूटना और प्रलय के दृश्य साल-दर-साल बढ़ते जा रहे हैं। हां! मौसम विभाग के आकलनों का महत्व भविष्य की तैयारियों के लिहाज से काफी है। प्रशासनिक तंत्र को बगैर वक्त गंवाए इस दिशा में सक्रिय हो जाना चाहिए। यह बेहद स्वाभाविक है कि भीषण गरमी की स्थिति में न सिर्फ विद्युत आपूर्ति की मांग बढ़ेगी, बल्कि पानी की कमी के हालात से भी दो-चार होना पड़ सकता है। इसलिए एक सुविचारित योजना के लिए यही माकूल समय है। मौसम के ये बदलाव सिर्फ भारत तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रकृति किसी के साथ कोई मुरव्वत नहीं बरतती। इसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग की मुख्य भूमिका से भी पूरी दुनिया अवगत है, लेकिन वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन को थामने के लिए जिस दूरदर्शिता की दरकार है, उसे दिखाने में विश्व बिरादरी नाकाम रही है। खासकर विकसित देशों से जिस अक्लमंदी की अपेक्षा की जाती है, अपने आर्थिक हितों के कारण वे उससे कतरा जाते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पेश किया, जब उसने पेरिस समझौते से अलग होने का अविवेकी फैसला किया था। वह भी तब, जब सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जित करने वाले पांच देशों में एक अमेरिका भी है। यह संतोष की बात है कि राष्ट्रपति बाइडन ने पर्यावरण संबंधी वैश्विक चिंताओं को समझा है। कुदरत तो धूप, हवा, पानी धरती के हरेक इंसान को नैसर्गिक रूप से बगैर किसी भेदभाव के सौंपती है, लेकिन नागरिक व्यवस्थाओं ने इनकी उपलब्धता को लेकर आदमी-आदमी में काफी अंतर पैदा कर दिया। विडंबना यह है कि कार्बन उत्सर्जन के लिए सुविधा संपन्न तबका सबसे अधिक जिम्मेदार होता है, मगर दुर्योग से इसका खामियाजा हाशिए के लोगों को अधिक भुगतना पड़ता है। सूरज की तपिश और लू के थपेड़ों के शिकार इसी तबके के लोग अधिक बनते हैं। मौसम विभाग की ताजा सूचनाओं के आलोक में सूखा रहने वाले इलाकों, बेघर आबादी, मवेशियों और जीवों के लिए पहले से मौजूद कार्यक्रमों को सक्रिय करने का वक्त आ गया है।

भोजन का अपमान

किरीट ए. चावड़ा

यह सूचना किसी दुख से कम नहीं कि हमारी दुनिया में 17 प्रतिशत भोजन घरों, रेस्तरां और दुकानों में बर्बाद चला जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट 2021 से पता चलता है कि कुछ भोजन खेतों पर ही, तो कुछ आपूर्ति के दौरान और एक बड़ा हिस्सा तैयार होने के बाद बर्बाद हो जाता है। कुल मिलाकर, एक तिहाई भोजन खाए जाने से रह जाता है। भोजन बर्बादी के ये आंकड़े बहुत मेहनत से जुटाए गए हैं, जिनका विश्लेषण हमें चौंकाता है और रुलाता भी है। संयुक्त राष्ट्र की एक कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन कहती हैं कि 'अगर हम जलवायु परिवर्तन, प्रकृति, जैव विविधता के नुकसान और प्रदूषण, कचरे से निपटने के बारे में गंभीर होना चाहते हैं, तो दुनिया भर के व्यवसायों, सरकारों और नागरिकों को भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए काम करना पड़ेगा।' अन्न-भोजन की बर्बादी ज्यादातर देशों में समस्याओं को जन्म दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी देशों में इस बर्बादी का स्तर आश्चर्यजनक रूप से समान है। न विकसित देशों के लोग आदर्श हैं और न गरीब देशों के लोग। भोजन की बर्बादी कोई ऐसा विषय नहीं है, जिसके बारे में किसी देश में लोग जानते न हों। परंपरागत रूप से दुनिया की ज्यादातर संस्कृतियों और समाजों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए लोगों को पाबंद किया गया है, लेकिन तब भी लोग सुधर नहीं रहे, कम से कम यह रिपोर्ट तो यही गवाही दे रही है। रिपोर्ट के विस्तार में जाएं, तो खुदरा दुकानों पर दो प्रतिशत, खाद्य सेवाओं के स्तर पर पांच प्रतिशत और रसोईघर में पहुंचने के बाद 11 प्रतिशत भोजन बेकार जाता है। मतलब सबसे ज्यादा सुधार की जरूरत हमारे रसोईघरों और थालियों में है। रिपोर्ट यह भी इशारा करती है कि भोजन की ऐसी बर्बादी से जलवायु परिवर्तन को भी बल मिलता है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का आठ से दस प्रतिशत भोजन की बर्बादी से जुड़ा है। बेशक, भोजन की

बर्बादी कम करने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होगी। भूमि रूपांतरण और प्रदूषण के माध्यम से होने वाला प्रकृति का विनाश धीमा होगा। भोजन की उपलब्धता बढ़ेगी और इस तरह वैश्विक मंदी के समय भूख की समस्या घटेगी, साथ ही, पैसों की भी बचत होगी। दुनिया का सचेत होना इसलिए बहुत जरूरी है,क्योंकि 2019 में करीब 69 करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे और तीन अरब लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में अक्षम थे। यह स्वागतयोग्य है कि संयुक्त राष्ट्र के एक लक्ष्य में भोजन की बर्बादी को आधा करना भी शामिल है। इस मोर्चे पर भारत जैसे विशाल देश में तो विशेष पहल की जरूरत है। आम भारतीय घरों में एक-एक सदस्य साल भर में 50 किलो खाना बर्बाद कर देता है, जबकि भारत में एक बड़ी आबादी भूखे रहने को मजबूर है। यह देखना ज्यादा जरूरी है कि बर्बादी रोकने के लिए क्या और कितना किया जा रहा है? सामाजिक स्तर पर अपील के अलावा भोजन की बर्बादी रोकने के लिए कोई पुख्ता प्रबंध नहीं है। हां, भारत यह संतोष व्यक्त कर सकता है कि भोजन बर्बाद करने में अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव और बांग्लादेश की तुलना में वह बेहतर है। लेकिन जिस देश में अन्न-भोजन की पूजा होती हो, उसे देश में यथोचित सुधार के लिए नए संकल्प की जरूरत पड़ेगी।

नौकरी नहीं, तो आरक्षण ही सही

जिगर डी वाढेर

हरियाणा सरकार के एक फैसले से हंगामा खड़ा हो गया है। फैसला है रोजगार में आरक्षण का। रोजगार भी सरकारी नहीं, प्राइवेट और आरक्षण भी किसी जाति, धर्म या आर्थिक आधार पर नहीं, बल्कि राज्य में रहने वालों को। राज्य सरकार ने यह फैसला अपने लोगों की भलाई या उन्हें खुश करने के लिए लिया है। लोग खुश हुए या नहीं, इसका पता तो चुनाव में लगेगा और उनकी कितनी भलाई हुई, इसका पता लगने में भी काफी वक्त लग सकता है, लेकिन फिलहाल इस फैसले से हंगामा खड़ा हो गया है। खासकर हरियाणा में जिन कंपनियों की फैक्टरियां या दफ्तर हैं, उनमें गंभीर चिंता फैल गई है। हरियाणा में प्राइवेट कारोबार में भी 50 हजार रुपये महीने से कम तनख्वाह वाली नौकरियों में 75 प्रतिशत पर सिर्फ हरियाणा के लोग रखे जा सकेंगे। विधानसभा में तो यह विधेयक पहले पारित हो चुका था,

28 फरवरी को राज्यपाल ने भी दस्तखत किए हैं। हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की पार्टी जेजेपी ने घोषणापत्र में वादा किया था कि उनकी सरकार बनी, तो 75 फीसदी नौकरियां हरियाणा के लोगों के लिए आरक्षित करवाएगी। उद्योग और विकास के पैमाने पर हरियाणा देश के सबसे उन्नत राज्यों में रहा है, लेकिन इस वक्त बेरोजगारी बहुत बड़ी फिक्र है। सीएमआईई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, जहां पूरे देश में बेरोजगारी दर फरवरी महीने में 6.5 प्रतिशत थी, वहीं हरियाणा में 26.4 प्रतिशत पर थी। यानी देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में है। जाहिर है, राज्य सरकार परेशान है। लेकिन आरक्षण की यह कोशिश नुकसान पहुंचा सकती है। देश के दोनों प्रमुख उद्योग संगठनों फिक्की और सीआईआई ने इस पर चिंता जताई है। सीआईआई ने आग्रह किया है कि पुनर्विचार किया जाए, जबकि फिक्की ने कहा है कि यह फैसला प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए तबाही जैसा है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी और बीपीओ कंपनी जेनपैक्ट के अलावा सॉफ्टवेयर व टेक्नोलॉजी में देश-दुनिया की दिग्गज कंपनियों ने गुड़गांव में दफ्तर खोल रखे हैं। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, टीसीएस और इन्फोसिस जैसे नाम शामिल हैं। यह नया कानून इन कंपनियों के लिए सबसे बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है। बीपीओ या बीपीएम (बिजनेस प्रॉसेस मैनेजमेंट) कारोबार एक तरह से गुड़गांव की जान है। गुड़गांव को दुनिया की बीपीएम राजधानी भी कहा जाता है। दुनिया में इस काम में लगे लोगों का पांच प्रतिशत हिस्सा गुड़गांव में है।

बीपीओ व आईटी कंपनियों के अलावा गुड़गांव और मानेसर के इलाके बड़े औद्योगिक क्षेत्र हैं। देश की 50 प्रतिशत कारें, 60 प्रतिशत मोटरसाइकिलें और 11 प्रतिशत ट्रैक्टर यहीं पर बनते हैं। इन इलाकों में औद्योगिक विकास के साथ ही यूनियन और मैनेजमेंट के विवाद का भी लंबा इतिहास है। 2012 में मारुति के प्लांट में झगड़ा इतना विकराल हो गया था कि आंदोलनकारियों ने कंपनी के एक बड़े अफसर को जलाकर मार डाला था। उसके बाद से ही कंपनी ने अपने नए कारखाने दूसरी जगहों पर लगाने का काम तेज कर दिया। दूसरी कंपनियां भी इस क्षेत्र में निवेश करने से पहले काफी सोच-विचार करने लगी हैं। बेरोजगारी का आंकड़ा साफ दिखा रहा है कि हरियाणा में रोजगार की कितनी जरूरत है। सरकारी नौकरियां कम होती जा रही हैं। ऐसे में, चुनाव जीतने के लिए यह नारा बुरा नहीं है कि हम प्राइवेट नौकरियों में भी आरक्षण दिलवा देंगे और कंपनियों की तसल्ली के बारे में भी सोचा गया होगा। इसीलिए शर्त है कि महीने में 50 हजार रुपये से कम तनख्वाह वाली नौकरियों में ही आरक्षण देना होगा। एक छूट यह भी दी गई है कि योग्य उम्मीदवार न मिलें, तो बाहर के लोगों को रखा जा सकता है, लेकिन ऐसी हर नियुक्ति के लिए सरकार से मंजूरी लेनी होगी। यानी काम में रोड़ा अटकाने का एक और इंतजाम। कारोबारी इसे इंस्पेक्टर राज की वापसी का सुबूत मान रहे हैं।

बीपीओ का तो करीब 80 प्रतिशत स्टाफ इस आरक्षण के दायरे में आ जाएगा। सॉफ्टवेयर कारोबार के जानकारों से बातचीत में पता चलता है कि ऐसी कंपनियों में 70 प्रतिशत से कुछ ही कम स्टाफ पांच साल से कम अनुभव वाला होता है और इनमें से करीब आधे 50 हजार रुपये से कम तनख्वाह पर काम करते हैं। राहत की बात यह है कि आरक्षण का नियम सिर्फ नई भर्ती के लिए है। कंपनी के मौजूदा स्टाफ पर इसका असर नहीं पड़ना है, लेकिन ये कंपनियां देश भर में साल में लाख-डेढ़ लाख नए लोगों को नौकरियां देती हैं। डर है, अब वे अपना कारोबार गुड़गांव या हरियाणा के बजाय देश के दूसरे हिस्सों में ले जाने की सोचने लगेंगी। कोरोना काल में जब पूरे-पूरे दफ्तर बंद करके वर्क फ्रॉम होम का अनुभव हो चुका है, तब कंपनियों में यह हौसला भी बढ़ चुका है कि वे आसानी से यहां से वहां जा सकती हैं। लेकिन क्या यह समस्या का हल है? याद कीजिए, वर्ष 2019 में मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एलान किया था कि वह ऐसा कानून लाएंगे, जिससे निजी कंपनियों को 70 प्रतिशत नौकरियां राज्य के नौजवानों के लिए आरक्षित करनी होंगी। इसके साल भर बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एलान किया कि प्रदेश की सारी सरकारी नौकरियां स्थानीय लोगों के लिए ही रखने,

यानी 100 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाएंगे। इसी किस्म के एलान 1995 में गुजरात और 2016 में कर्नाटक की सरकारें कर चुकी हैं, लेकिन इनमें से कोई भी अमल में नहीं आ सका है। भारत का संविधान राज्य सरकारों को यह अधिकार नहीं देता कि वे इस तरह के आरक्षण लागू करें, जिससे बराबरी के अधिकार का उल्लंघन होता हो। सर्वोच्च न्यायालय भी कई मामलों में यह साफ कर चुका है कि राज्य सरकारें इस तरह भेदभाव करने वाले नियम-कायदे नहीं बना सकतीं।

लेकिन कानूनी प्रावधानों में कुछ गुंजाइश भी है और संसद ने जब रोजगार में इस तरह के भेदभाव खत्म करने के लिए कानून पारित किया, तब कुछ राज्यों को रियायत भी दी गई। इसलिए यह आशंका बेबुनियाद नहीं कि दूसरी सरकारें भी ऐसे कानून बनाने की सोचेंगी। हालांकि, यह भी करीब-करीब तय है कि ऐसा कानून अदालत में टिक नहीं पाएगा। इससे बड़ी चिंता यह है कि देश में रोजगार का संकट कैसे खत्म किया जाए? जब तक उसका इलाज सामने नहीं आएगा, तब तक नीम हकीमों वाले ऐसे नुस्खों का सहारा राजनीतिक पार्टियां और सरकारें लेती रहेंगी।

बस पेट्रोल-डीजल भरोसे देश

भूपेन्द्र पटेल

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच यह खबर राहत की तरह अखबारों में परोसी गई। एक सराकरी विज्ञप्ति में बताया गया कि अब दिल्ली-जयपुर और दिल्ली-चंडीगढ़ के बीच बसें पेट्रोल या डीजल के बजाय हाइड्रोजन गैस से चलेंगी। खबर पढ़कर लगता है कि अब जल्द ही देश को महंगे पेट्रोल से मुक्ति मिलने वाली है। जिसके भाव हर सुबह बढ़ जाते हों और फिर जरूरत की हर चीज को महंगा कर मुंह चिढ़ाते हों, उससे भला कौन मुक्ति नहीं चाहेगा। इसलिए सुनकर पहली नजर में अच्छा लगता है कि ठोस समस्या वाले तरल के मुकाबले एक गैस को लाया जा रहा है। वह भी एक ऐसी गैस को, जिसके चर्चे और गुणगान इन दिनों पूरी दुनिया में तकरीबन हर जगह ही हैं। हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन माना जाता है और आने वाले समय के लिए प्रदूषण से मुक्ति का आश्वासन भी इसी में देखा जा रहा है।

रसायनशास्त्र हमें बताता है कि यह गैस जब जलती है, तो सिर्फ शुद्ध पानी बनता है, यानी प्रदूषण शून्य होता है और इसका कार्बन फुटप्रिंट भी ज्यादा नहीं होता। ये बातें सही भी हैं, लेकिन इन सब बातों का संदर्भ दूसरा है और फिलहाल यह हाइड्रोजन हमारे सामने महंगे पेट्रोल के विकल्प के रूप में पेश की जा रही है। कुछ बयानों में यह भी कहा गया कि समस्या इसलिए भी है कि देश ने इतने साल महंगे पेट्रोल का विकल्प नहीं खोजा और अब इसे खोजने का समय आ गया है। इसलिए हाइड्रोजन से पहले पेट्रोल के रूप की चर्चा जरूरी है।

जब हम किसी पेट्रोल पंप पर जाकर अपने स्कूटर, अपनी बाइक, कार, बस, ट्रैक्टर वगैरह में पेट्रोल या डीजल भरवाते हैं, तब उससे हम अपनी गाड़ी ही नहीं चलाते, प्रदेश और देश की सरकारों को भी चलाते हैं। पेट्रोलियम पदार्थ सरकारी राजस्व की ऐसी दुधारू गाय है, जहां पहुंचते-पहुंचते कराधान की नैतिकता, कर सुधार और उदारीकरण के सारे तर्क अपने हथियार डाल देते हैं। यह इस या उस सरकार, इस या उस राजनीतिक पार्टी का मामला नहीं है, यह हमेशा से ही होता रहा है और फिलहाल यह कुछ ज्यादा ही हो रहा है।

साल 2021 तक आते-आते भारत में बिकने वाला पेट्रोल शायद दुनिया की अकेली ऐसी चीज बन गया है, जिसे सिर्फ टैक्स थोपकर तीन गुना दाम पर बेचा जाता है। जिसे हम उदारीकरण का दौर कहते हैं, वह मूल रूप से कर सुधारों का दौर ही रहा है, लेकिन हमारे यहां इन कर सुधारों को हमेशा ही पेट्रोल की ज्वलनशीलता से दूर रखा गया। बाकी जगह भले ही करों को तर्कसंगत बनाए जाने की बात की जाती रही हो, लेकिन ये तर्क कभी संगति करने के लिए किसी पेट्रोल पंप पर नहीं गए। जब सेल्स टैक्स हटाकर वैट लागू किया गया, तो पेट्रोल को इससे दूर रखा गया। जब जीएसटी आया, तो पेट्रोल को वहां फटकने भी नहीं दिया गया। और जीएसटी ने जब बाकी सभी चीजों के मामले में कर व्यवस्था के हाथ बांध दिए हैं, तब केंद्र और राज्य सरकारों के लिए राजस्व बढ़ाने की सबसे बड़ी गुंजाइश इसी पेट्रोल में दिख रही है।

महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में आई गिरावट भी अब इसी पेट्रोल के सहारे की मोहताज है। दुनिया भर में पेट्रोल भले ही सस्ता होता रहे, लेकिन लगता है कि अब हमारे पास पेट्रोल को महंगा करने का कोई और विकल्प नहीं है। भले ही यह महंगाई मध्य वर्ग और पूरी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रही हो। पेट्रोल में अपने आप में भी बहुत सारी समस्याएं हैं। यह प्रदूषण फैलाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा जीवाश्म ईंधन है। सिर्फ कोयला ही उससे ज्यादा प्रदूषण फैलाता है, लेकिन कोयले का कुल जमा इस्तेमाल उतना नहीं है, जितना पेट्रोलियम पदार्थों का है। कोयला ज्यादा प्रदूषण फैलाता है, लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों का कार्बन फुटप्रिंट कोयले से कहीं ज्यादा बड़ा है। फिर यह भी कहा जाता है कि धरती के भीतर इसका सीमित भंडार ही है, जिसे देर-सबेर कभी तो खत्म होना ही है। हमारे लिए एक दूसरी समस्या यह भी है कि हमें पेट्रोलियम का बड़े पैमाने पर आयात करना पड़ता है। हमारे विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी सेंध इसी वजह से लगती है। इन वजहों से हमारे लिए यह हमेशा जरूरी रहा है कि हम इसका विकल्प खोजें।

विकल्प खोजना कभी आसान भी नहीं रहा। दुनिया भर में भविष्य के ईंधन की बातें जरूर हो रही हैं, प्रयास भी हो रहे हैं, लेकिन किसी भी देश के पास वर्तमान में इसका कोई पक्का विकल्प नहीं है। कभी अमेरिका में बॉयो-डीजल की बात जोर-शोर से चली थी, आज जितनी हाईड्रोजन की बात चलती है, उससे भी ज्यादा, लेकिन फिर इसकी समस्याएं पता लगीं, तो यह रास्ता छोड़ दिया गया। लेकिन पेट्रोल जिस तरह से हमारे देश के लोगों को कष्ट देता है, उसके सबसे बड़े कारण इन सबमें नहीं हैं। महंगे पेट्रोल का सबसे बड़ा और प्रमुख कारण आर्थिक नीतियों में है। हमारी सरकारों ने राजस्व के लिए पेट्रोल पर अपनी निर्भरता इस हद तक बढ़ा ली है कि अगर रातों-रात किसी जादू की छड़ी से पेट्रोल को पूरी तरह गायब कर दिया जाए, तो दुनिया में सबसे बड़ा संकट शायद भारत में ही खड़ा होगा। ऐसे में, सरकारों को अपना कामकाज ठीक से चलाना है, तो उन्हें वैकल्पिक ईंधन पर भी देर-सबेर इतने सारे कर लगाने ही होंगे। वह वैकल्पिक ईंधन हाइड्रोजन हो या कोई और, वह पर्यावरण को प्रदूषित करता हो या साफ। जो मौजूदा आर्थिक नीति है, उसमें हमारी गाड़ियों को चलाने के मुख्य ईंधन को सरकार चलाने का मुख्य ईंधन भी बनना ही होगा। महंगे पेट्रोल की समस्या से मुक्ति का एक ही रास्ता है, पेट्रोलियम पदार्थों को व्यापक कर सुधार के एजेंडे में शामिल किया जाए। गाड़ियों के लिए वैकल्पिक ईंधन खोजना कई कारणों से पर्यावरण के साथ ही अर्थव्यवस्था की एक बहुत बड़ी जरूरत है। लेकिन अर्थव्यवस्था की उससे कहीं बड़ी जरूरत यह है कि सरकार राजस्व के नए विकल्प खोजे और उस पेट्रोल को बख्श दे, जिससे फिलहाल तो हमारी दुनिया चलनी ही है।

एक महीने में मुंबई लोकल में कितने बढ़े यात्री, आंकड़ों में जानिए

मुंबई,देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पिछले महीने 1 फरवरी को सामान्य लोगों को अनुमति मिलने के बाद लोकल ट्रेनों में यात्रियों की संख्या दुगुनी हो गई। लॉकडाउन से पहले जहां मुंबई में 80 लाख यात्री रोजाना चलते थे, वह आंकड़ा फिलहाल 40 लाख तक ही पहुंच पाया है।

1 फरवरी से आम लोगों को नॉन पीक आवर्स यानी सुबह पहली लोकल चलने से लेकर सुबह 7 बजे तक फिर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक और फिर रात 9 बजे के बाद आखिरी लोकल चलने तक यात्रा की अनुमति दी गई है। समय के इस बंधन के कारण भीड़ नियंत्रण करने में परेशानी हो रही है।

इस तरह बढ़ी भीड़

लॉकडाउन के दौरान अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए रेलवे ने 15 जून 2020 से लोकल ट्रेनें शुरू की थी। शुरुआत में केवल 30 हजार यात्री लोकल में यात्रा करते थे। समय के साथ यात्री और ट्रेनों की संख्या बढ़ती है।

महिलाओं को लोकल ट्रेनों में अनुमति मिलने के बाद 3 नवंबर, 2020 तक रेलवे सर्विस संख्या बढ़ाकर 2773 कर दी, जबकि यात्रियों की संख्या 10 लाख तक पहुंच गई। इस हिसाब से प्रति ट्रेन 320 यात्रियों का औसत रहा। कोविड के खतरे को देखते हुए ये सुरक्षित आंकड़ा था। 29 जनवरी, 2021 तक यात्रियों की संख्या 19 लाख पहुंच गई, इस दौरान रेलवे 2987 सर्विस चलाने लगी।

इस दौरान प्रति सर्विस में औसतन 636 लोग यात्रा कर रहे थे, जो ट्रेन की कुल क्षमता से लगभग आधा था। अब प्रतिदिन लगभग 40 लाख यात्री सफर करने लगे हैं, जबकि सर्विस संख्या में कोई इजाफा नहीं हुआ है।

समय के कारण परेशानी

नवंबर, 2020 तक जब केवल अतिआवश्यक सेवा से जुड़े यात्री चल रहे थे, तब सेवाएं भी उनकी सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त चल रही थीं। महिलाओं को अनुमति मिलने के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ती गई और सेवाएं भी बढ़ती गईं। इस दौरान महिलाओं को सुबह 11 बजे से 3 बजे तक और शाम 7 बजे के बाद यात्रा की अनुमति दी गई।

जब सामान्य लोगों को अनुमति मिली, तो अब ताजा आंकड़ों के अनुसार 22-23 लाख यात्री बढ़े हैं। यदि महिलाओं को भी इसमें शामिल कर लिया जाए, तो सामान्य यात्रियों का आंकड़ा 32 लाख तक पहुंच जाएगा। नॉन पीक आवर्स में पश्चिम और मध्य रेलवे मिलाकर 1609 सर्विस चला रही हैं।

> ‘मुंबई में कोरोना के बढ़ते केस के बीच फिलहाल रोजाना 2,987 लोकल ट्रेनें चल रही हैं, जबकि सामान्य स्थिति में 3,141 सेवाएं चलती हैं।’

दो घंटे रहती है भीड़

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सामान्य यात्रियों को अनुमति देने के बाद निश्चित तौर पर भीड़ को नियंत्रण करने में चुनौतियां सामने आ रही हैं। दोपहर 12 से 2 बजे तक और शाम 4 बजे बेतहाशा भीड़ होती है। अधिकारी के मुताबिक इस दौरान प्रति लोकल 2000-2400 तक यात्री संख्या पहुंच जाती है। इसी में कई यात्री लापरवाही बरतते हैं और जो आंकड़े बढ़ रहे हैं, वह सभी के सामने हैं।

सभी सेवाओं पर निर्णय अभी नहीं

मुंबई में फिलहाल रोजाना 2,987 लोकल ट्रेनें चल रही हैं, जबकि सामान्य स्थिति में 3,141 सेवाएं चलती हैं। पश्चिम रेलवे रोजाना 1301 सर्विस चला रही है। मध्य रेलवे पर फिलहाल 1686 सेवाएं चल रही हैं।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले एक महीने में यात्री बढ़े हैं, लेकिन संख्या 40 लाख के आसपास रुक गई है। इसीलिए सर्विस बढ़ाने पर फिलहाल कोई विचार नहीं हो रहा है।

नॉन पीक आवर्स में कब कितनी सर्विस

सुबह 7 बजे तक: पश्चिम रेलवे 125 , मध्य रेलवे 220

दोपहर 12 से शाम 4 तक: पश्चिम रेलवे 222, मध्य रेलवे 450

रात 9 बजे के बाद: पश्चिम रेलवे 272, मध्य रेलवे 320

मनपा प्रशासक की समय सीमा बढ़ाने विधेयक पारित, कोरोना के चलते कई महानगरपालिकाओं के नहीं हो सके हैं चुनाव

मुंबई। राज्य सरकार ने शुक्रवार को विधानसभा में महाराष्ट्र महापालिका अधिनियम और महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत व औद्योगिक नगरी अधिनियम में संशोधन का विधेयक पास कर दिया गया। विधानसभा मे इस विधेयक को पेश करते हुए नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कोरोना की वजह से जिन नगर निकायों की अवधि खत्म हो गई थी वहां पर 30 अप्रैल 2021 तक प्रशासक नियुक्त किए गए थे। प्रशासकों की नियुक्ति के लिए बार-बार विधेयक न लाना पड़े इसलिए सरकार ने यह संशोधन किया है। हालांकि विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने इसका यह कहते हुए विरोध किया कि इससे सरकार को असीमित अधिकार मिल जाएंगे। उन्होंने मांग रखी कि जिस तरह पहले सरकार ने 30 अप्रैल तक प्रशासकों को नियुक्त किया था उसी तरह आगे 31 जुलाई तक यह समय सीमा बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि औरंगाबाद और नई मुंबई में परेशानी को देखते हुए चुनाव टालने के लिए यह संशोधन किया है। चुनाव आयोग ने राज्य में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कहा था कि स्थानीय निकाय चुनाव कराना फिलहाल की स्थिति में संभव नहीं है। वहीं भाजपा के आशीष शेलार ने कहा कि मॉनसून पूर्व तैयारियों में जनप्रतिनिधियों की हिस्सेदारी को देखते हुए प्रशासक को कितने समय तक असीमित अधिकार देकर रखा जाए इस पर फैसला करना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नई मुंबई में मतदाता सूची से छेड़छाड़ की जा रही है और भाजपा ने ही 20 हजार शिकायतें की हैं।

महाराष्ट्र में लागू नहीं होंगे केंद्र के तीनों कृषि कानून, विपणन मंत्री का ऐलान

मुंबई। केंद्र सरकार के तीनों कृषि कानूनों को महाराष्ट्र में लागू नहीं किया जाएगा। विधान परिषद में प्रदेश के विपणन मंत्री बालासाहब पाटील ने यह स्पष्ट किया। पाटील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तीनों कानूनों पर अस्थायी रोक लगाई है। इसलिए प्रदेश में तीनों कानून को लागू नहीं किया जाएगा। शुक्रवार को सदन में राकांपा सदस्य शशीकांत शिंदे ने नियम 97 के तहत अल्पकालीन चर्चा में केंद्र सरकार के कृषि कानूनों का मुद्दा उठाया था। शिंदे ने कहा कि सरकार को पंजाब की तर्ज पर कृषि कानूनों को लागू न करने के लिए सदन में प्रस्ताव पारित करना चाहिए। सदन में कांग्रेस सदस्य भाई जगताप ने कृषि कानूनों के खिलाफ प्रस्ताव मंजूर करने की मांग की। इसके जवाब में पाटील ने कहा कि कृषि कानूनों को लेकर राज्य में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जा चुकी है। उन्होंने कृषि कानूनों को लेकर 9 सदस्यों की उपसमिति का गठन किया है। पाटील ने कहा कि इस साल कपास बेचने के लिए किसान खुले बाजार में जा रहे हैं क्योंकि बाजार में कपास के लिए अच्छा दाम मिल रहा है। वहीं व्यापारियों को भी डर है कि यदि किसानों को कपास के लिए उचित कीमत नहीं दी गई तो वे सरकारी खरीद केंद्रों पर जाएंगे।

11700 पन्नों की चार्जशीट में रिया चक्रवर्ती

मुंबई। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बॉलिवुड ड्रग्स मामले को लेकर विशेष अदालत में 11 हजार 700 पन्नों का आरोपपत्र दायर किया है। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले की जांच के तार बाद में बालिवुड ड्रग्स रैकेट से जुड़े पाए गए थे। एनसीबी ने आरोपपत्र में 33 लोगों को आरोपी बनाया है। जिसमें फिल्म अभिनेता राजपूत की गर्लफ्रेंड फिल्म अभिनेत्री रिहा चक्रवर्ती व उसके भाई शौविक का भी समावेश है। वर्तमान में ये दोनों आरोपी जमानत पर है। एनसीबी ने पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए आरोपपत्र से जुड़े परिशिष्ट(एनेक्सचर) इलेक्ट्रॉनिक स्वरुप में संलग्न किया है।

आरोपपत्र में मुख्य रूप से एनसीबी ने जांच के दौरान जब्त किए गए ड्रग्स के साथ विभिन्न प्रकार के सबूतों का विवरण दिया गया है। आरोपपत्र में 200 गवाहों के बयानों को शामिल किया गया है। मामले से जुड़े 33 आरोपियों में से अभी भी आठ आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। शेष आरोपी जमानत पर हैं। आरोपत्र के मुताबिक एनसीबी अभी भी इस मामले की जांच को जारी रखे हुए हैं। आगे की जांच में मिलनेवाले निष्कर्षों के आधार पर कानून के मुताबिक प्रकरण को लेकर पूरक आरोपपत्र भी दायर किया जाएगा। आरोपपत्र में कहा गया है कि मामले से जुड़े आरोपियों के वाट्स एप चैट व बैंक से जुडे ब्योरे की गहराई से जांच गई है। और उससे जुड़े सबूतों को आरोपपत्र में शामिल किया गया है। एनसीबी ने पिछले साल इस मामले की जांच शुरु की थी। इस दौरान एनसीबी ने विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थ (चरस,गाजा,एलएसडी व दूसरी नशीली गोलिया) व देशी तथा विदेशी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित विदेशी मुद्रा जब्त की थी। जिसे आरोपपत्र का हिस्सा बनाया गया है। आरोपपत्र में दावा किया गया है कि मादकपदार्थ की खरीदी, विक्री व उसके सेवन से जुड़े सबूतों की गंभीरता से जांच के बाद उसे सबूतों की सूची में शामिल किया गया है। क्योंकि जब्त किए गए मादक पदार्थों के नमूनों को पहले जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया था।

सहित 33 आरोपी शामिल

पारिवारिक मित्र है शिवसेना नेता संजय राऊत पर आरोप लगाने वाली महिला, वकील का दावा

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राऊत ने बांबे हाईकोर्ट में अपने वकील के माध्यम से एक महिला द्वारा प्रताड़ित व पीछा करने के आरोपों का खंडन किया है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति एसएस शिंदे व न्यायमूर्ति मनीष पीटले की खंडपीठ के सामने याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद खंडपीठ ने मामले से जुड़े आरोपपत्र की प्रति याचिकाकर्ता को देने का निर्देश दिया। इस पहले राऊत की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता प्रसाद ढाकेफालकर ने खंडपीठ के सामने याचिका का विरोध किया और याचिका में लगाए गए आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता मेरे मुवक्किल (राऊत) की पारिवारिक मित्र व बेटी की तरह है। मेरे मुवक्किल याचिकाकर्ता के परिवारवालों को अच्छी तरह से जानते हैं। याचिकाकर्ता का अपने पति के साथ कुछ वैवाहिक विवाद चल रहा है। इस विवाद में मेरे मुवक्किल ने याचिकाकर्ता के पति का समर्थन किया है। इसलिए इस तरह के निराधार आरोप मेरे मुवक्किल पर लगाए गए हैं। पिछले दिनों महानगर के सांताक्रुज इलाके में रहनेवाले मनोवैज्ञानिक व लेखिका डॉक्टर स्वपना पाटकर ने अधिवक्ता आभा सिंह के मार्फत राऊत के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका में राऊत को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिका में पाटकर ने कहा है कि वे लगातार राऊत के हाथो मानिसिक यातना, प्रताड़ना, गाली गलौच, मारपीट व हमले का सामना कर रही हैं।

कोरोना से बिगड़ी महाराष्ट्र की आर्थिक सेहत, सर्वेक्षण रिपोर्ट दोनों सदनों में पेश

मुंबई। कोरोना के चलते राज्य की अर्थ व्यवस्था को खासा नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार को विधानमंडल के दोनों सदनों में पेश आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट-2021 के अनुसार सकल घरेलु उत्पाद में 1 लाख 56 हजार 926 करोड़ की कमी का अनुमान है। प्रति व्यक्ति आय में भी कमी आई है। 2020-21 में राज्य की अर्थव्यवस्था में 8 फीसदी नकारात्मक ग्रोथ का अनुमान लगाया गया है। कृषि व संलग्न क्षेत्र को छोड़कर उद्योग, सेवा, उत्पादन और निर्माण क्षेत्र में नेगिटिव ग्रोथ का अनुमान है। राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 2019-20 में 2818555 करोड़ रुपए से घटकर 2661629 करोड़ रुपए अनुमानित है। शुक्रवार को विधानसभा में वित्तमंत्री अजित पवार द्वारा पेश आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020-21 के दौरान महाराष्ट्र की विकास दर कोरोना महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के चलते खासी प्रभावित हुई है। राज्य की आर्थिक सर्वे रिपोर्ट में कृषि व संलग्न कार्य क्षेत्र में 11.7 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान है। जबकि उद्योग में 11.3 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 9 प्रतिशत, इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में 11.8 प्रतिशत और कंस्ट्रक्शन क्षेत्र में 14.6 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। सदन में पेश रिपोर्ट में 2020-21 के बजट में 3,47,457 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्ति का अंदाज व्यक्त किया गया है, जबकि वास्तव में अप्रैल-दिसंबर 2020 तक 1,76,450 करोड़ रुपए यानी अनुमान से सिर्फ 50.8 फीसदी ही राजस्व प्राप्त हुआ है। आर्थिक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान राज्य सरकार का राजस्व बुरी तरह प्रभावित हुआ हैं।

हाईकोर्ट की नसीहत - पुणे में युवती की मौत के मामले को अनावश्यक तूल न दे मीडिया

मुंबई। बांबे हाईकोर्ट ने पुणे की एक युवती की आत्महत्या व उसके एक व्यक्ति के साथ कथित अवैध संबंध मामले की रिपोर्टिंग में मीडिया संयम दिखाए व इस मामले का अनावश्यक प्रचार न करें। हाईकोर्ट ने यह निर्देश युवती की पिता की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया है। न्यायमूर्ति एसएस शिंदे व न्यायमूर्ति पीटाले की खंडपीठ के सामने याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता शिरीष गुप्ते ने कहा कि उनके मुवक्किल को आठ फरवरी 2021 को पता चला था कि उनकी बेटी पुणे स्थित अपने फ्लैट की बालकनी से गिर गई थी। अस्पताल ले जाने के बाद डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इस घटना के बाद मेरी मुवक्किल की बेटी के एक व्यक्ति के साथ अवैध संबंध को लेकर प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया ने खबरे देनी शुरु कर दी थी। ये खबरे मानहानिपूर्ण व अपमानजनक है। राजनीतिक दलों व मीडिया ने मेरे मुवक्किल की बेटी की बातचीत की 12 आडियो क्लिप सार्वजनिक की गई है।

अंबानी के घर के बाहर जिसकी कार में मिला था विस्फोटक, उस कार के मालिक का मिला शव, मुंह में ठुंसे थे 5 रुमाल

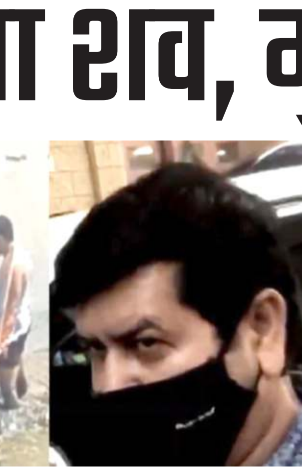

मुंबई। बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर मिली संदिग्ध स्कॉर्पियो के मालिक हिरेन मनसुख मृत अवस्था में पाए गए हैं। उनकी लाश कलवा क्रीक में मिली है। हिरेन मनसुख ठाणे के व्यापारी थे और क्लासिक मोटर्स की फ्रेंचाइजी चलाते थे। सूचना मिलने पर नौपाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की छानबीन शुरू की। हिरेन के शव की जांच के दौरान उनके मुंह से पांच रूमाल निकले हैं।अब ऐसे में बड़ा सवाल ये है आखिर हिरेन ने खुदकुशी की या ये हत्या है?

मनसुख के परिवार ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मनसुख हिरेन को मार कर डुबाया गया है। परिवार का आरोप है कि इसके पीछे बड़ी साजिश है। परिवार का कहना है कि मनसुख की लास्ट मोबाइल लोकेशन विरार दिखा रही है। जबकि उनका शव दूसरी जगह मिला है। दोनों लोकेशन में काफी अंतर है। वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई पुलिस की अपराध शाखा में तैनात एपीआई सचिन वझे की भूमिका इस मामले में संदेहास्पद बताते हुए मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग की है। वाहन मालिक व पुलिस अधिकारी वझे के बीच हो रही थी बातचीत शुक्रवार को विधानसभा में फडणवीस ने इस बात पर हैरानी जताई कि गाड़ी के पास स्थानीय पुलिस से पहले सचिन वझे पहुंचे गए और धमकी भरा पत्र भी उन्होंने ही बरामद किया। उन्होंने यह भी बताया कि 8 जून और 25 जुलाई 2020 के अलावा दूसरे कई दिन हिरेन और वझे के बीच टेलिफोन पर बातचीत हुई है। फडणवीस ने दावा किया कि हिरेन ठाणे में अपनी गाड़ी खराब पड़ जाने के बाद क्राफर्ड मार्केट आए। उन्होंने कहा कि हिरेन यहां किससे मिले यह सबसे अहम कड़ी है।

हिरेन जो ओला बुक कर क्राफर्ड मार्केट पहुंचे थे, उसके चालक से पूछताछ में अहम खुलासे हो सकते हैं। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाए कि वझे ठाणे में रहते हैं और वारदात में इस्तेमाल दोनों कारें भी ठाणे से ही आईं। वझे को ही मामले की जांच का जिम्मा भी सौंप दिया गया। एक टेलीग्राम चैनल पर ‘जैश उल हिंद’ का जिम्मेदारी लेने वाला पोस्ट डाला गया। फिर ‘जैश उल हिंद’ ने इसे गलत करार दिया। हैरानी की बात यह है कि सात दिनों तक इस मामले की जांच एपीआई वझे ही करते रहे। फडणवीस ने हिरेन को सुरक्षा देने की मांग की थी लेकिन उसके थोड़ी ही देर बाद उनकी मौत की खबर आ गई।

महाराष्ट्र पुलिस जांच में सक्षम

गृहमंत्री अनिल देशमुख ने मामले की एनआईए से जांच कराने से इनकार करते हुए कहा कि महाराष्ट्र पुलिस मामले की जांच में सक्षम है। विधानसभा में देशमुख ने कहा कि मनसुख उस कार के मालिक नहीं थे। गाड़ी का मालिक सैम पीटर न्यूटन नाम का व्यक्ति है। इंटीरियर के पैसे न देने पर मनसुख ने यह कार ले ली थी। उन्होंने कहा कि मुंब्रा के रेती बंदर में मनसुख का शव मिला है। शव पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं हैं। जबकि फडणवीस ने कहा कि मनसुख ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा है कि कार उन्होंने खरीदी थी। शव के हाथ बंधे हुए थे। इस पर मंत्री देशमुख ने दावा किया कि हाथ बंधे हुए नहीं थे। पोस्टमार्टम में सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। मामले में वझे पर उंगली उठाने पर देशमुख ने भाजपा सदस्यों से सवाल किया कि क्या अर्णब गोस्वामी को सात दिन जेल में रखने की वजह से आप नाराज हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई पुलिस का एक अधिकारी लगातार मनसुख हिरेन से फोन पर बात कर रहा था, और लगातार उनके संपर्क में था। फडणवीस ने कहा, मैंने हाउस में कहा है कि इस मामले को NIA को भेजा जाए। मैंने मनसुख हिरेन को तुरंत सुरक्षा दिए जाने की मांग की थी और आशंका जाहिर की थी कि इनकी जान को खतरा हो सकता है। अभी अभी पता चला है कि अभी कुछ समय पहले उनकी डेड बॉडी मिली है।

फडणवीस केंद्रीय गृहमंत्री से करेंगे अपील

फडणवीस ने कहा कि सचिन वझे कौन है मैंने उसे कभी देखा भी नहीं। लेकिन मैं इतने सबूत दे रहा हूं तो इस मामले को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए। कांग्रेस के नाना पटोले ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी खुद जांच कर सकती है उसके पास अधिकार है। भीमा कोरेगांव मामले में यह हो चुका है। इसके बाद फडणवीस ने कहा कि वे खुद केंद्रीय गृहमंत्री से मामले की जांच के लिए अपील करेंगे।

हेयर फॉल से हो गए हैं परेशान, निजात दिलाएंगे ये गजब के योगासन

बदलते मौसम का सबसे पहला असर व्यक्ति की त्वचा और बालों पर पड़ता है। मौसम बदलते ही बालों का झड़ना, रूखापन और डैंड्रफ जैसी समस्याएं व्यक्ति के लिए परेशानी का सबब बन जाती हैं।बॉडी में न्यूट्रिशन की कमी और सही ब्लड सर्कुलेशन का न होना हेयर फॉल जैसी समस्या को जन्म देता है। आइए जानते हैं कैसे कुछ आसन करके बालों के झड़ने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

सर्वांगासन-इस आसन से मस्तिष्क में रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर तरीके से होता है। जिसके कारण हेयर लॉस की समस्या दूर होती है और मानसिक तनाव भी काफी हद तक कम होता है।

शीर्षासन-सिर के बल किए जाने की वजह से इसे शीर्षासन कहते हैं। शीर्षासन एक ऐसा आसन है जिसके अभ्यास से पूरे शरीर में रक्त संचार अच्छा होने की वजह से कई रोगों से मुक्ति मिलने के साथ बालों का झड़ना भी कम होता है।

शशांकासन-
इस आसन को करते वक्त व्यक्ति की खरगोश जैसी आकृति बन जाती है इसीलिए इसे शशकासन कहते हैं। शशांकासन करने से व्यक्ति का तनाव कम होता है। जो बालों के झड़ने का एक कारण होता है।

प्राणायाम-
प्राणायाम एक ब्रीदिंग एक्सरसाइज है जो स्ट्रेस दूर कर बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है।

उष्ट्रासन-
उष्ट्रासन टूटते-झड़ते, रूखे और बेजान बालों की समस्या को दूर करने का कारगर उपाय है।

पर्वतासन-
पर्वतासन न सिर्फ बालों का झड़ना रोकता है बल्कि शरीर का पोषण बढ़ाने में भी मदद करता है।

कपालभाति -
कपालभाति मस्तिष्क को अतिरिक्त ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है, जिससे मस्तिष्क से जुड़ी समस्याएं जैसे-बालों का झड़ना ठीक होता है।

सेतुबंध आसन-
मजबूत बालों की इच्छा रखने वाले लोगों को नियमित रूप से सेतुबंध आसन करना चाहिए। यह आसन शरीर में ब्लड फ्लो को अच्छा करता है।

भस्त्रिका -
भस्त्रिका करने से तनाव ,नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्याओं को समाप्त किया जा सकता है।

सोनल झालावाड़िया

सेहत के लिए वरदान हैं पपीते के बीज, मोटापा भी करते हैं कंट्रोल

संजय शर्मा

पपीता खाने के फायदे तो आपने कई सुने होंगे पर क्या आप जानते हैं इसके बीज भी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। सुनकर थोड़ा आश्चर्य होना लाजमी है। लेकिन यह बात बिल्कुल सच है। जी हां अक्सर पपीता खाने के बाद लोग उसके बीज फेंक देते हैं लेकिन अगली बार जब आप पपीता खाएंगे तो उसके बीज फेंकने से पहले एक बार जरूर सोचेंगे। पपीते में पर्याप्त मात्रा में आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। इससे शारीरिक क्रियाएं तो बेहतर होती ही हैं। इसके अलावा शरीर की अतिरिक्त चर्बी से भी निजात पाने में मदद मिलती है। पपीते के बीजों का सेवन करने से शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। आइए जानते हैं पपीते के बीज का सेवन करने से मिलने वाले ऐसे ही कुछ जादुई फायदे।

पपीते के बीज खाने के फायदे-
वेट लॉस में मददगार है पपीता-
वजन घटाने में जो चीज सबसे ज्यादा मदद करती है, वह है पपीते के भीतर पाए जाने वाले बीज। पपीता शरीर की पाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से काम करने के लिए पर्याप्त फाइबर की आपूर्ति करता है। पपीता में ढेर सारे ऐंटीऑक्सिडेंट, मिनरल्स और बहुत कम कैलरी होती है। पपीता में पाए जाने वाले इंजाइम्स न सिर्फ वजन घटाते हैं बल्कि बैड कलेस्ट्रॉल को भी कम करते हैं।

लीवर से जुड़ी समस्या-
पपीते के बीज लीवर के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। ये लीवर सिरोसिस में भी काफी फायदेमंद होता है। सुबह खाली पेट इसके बीजों का सेवन करने से काफी फायदा होता है।

स्वस्थ पाचन के लिए-
पपीते के बीज में उच्च मात्रा में पाचन एंजाइम मौजूद होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने में मदद करके प्राकृतिक पाचन प्रकिया को सहायता करता है। इतना ही नहीं पपीते के बीज रोगजनकों को मारकर भोजन की विषाक्तता से मुकाबला करने में भी मदद करते हैं।

जलन या सूजन में फायदेमंद-
पपीते के बीजों में शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो शरीर को सूजन से छुटकारा दिलाने में मदद करते हैं। एंजाइम पपैन और काइमोपपैन गठिया, जोड़ों के दर्द से जुड़ी सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें पपीते के बीज का सेवन-
-पपीते के बीज का सेवन करने का सबसे अच्छा तरीका उसे पपीते के साथ ही खाना है।
- इसके अलावा, कच्चे बीज को पपीते से निकालकर मिक्सी या मूसल का उपयोग करके पीस लें। आप इसका उपयोग सलाद या सूप में डालकर भी कर सकते हैं।
-पपीते के बीज का उपयोग आप उन्हें धूप में सूखाकर पाउडर बनाकर भी कर सकते हैं।
-एक दिन में 5 से 8 ग्राम बीज का ही सेवन करें।
-पपीते के बीज का पाउडर आप नींबू के रस या फिर सलाद के ऊपर छिड़क कर भी कर सकते हैं।

टेस्टी खाने के वीडियोज देखने से बढ़ सकता है मोटापा, रिसर्च में सामने आई वजह

अगर आप फूडी हैं तो आपको खाने-पीने के वीडियोज देखना जरूर पसंद होगा। कुकिंग के शौकीन हैं तो भी तरह-तरह की डिशेज बनाने के लिए वीडियोज देखते होंगे। आपको जानकर हैरानी होगी कि ऐसा करने से आपका वजन बढ़ सकता है। बीते दिनों हुई एक स्टडी के मुताबिक, टेस्टी खाने के वीडियोज देखने के बाद लोग ज्यादा खाने लगते हैं, जिसकी वजह से उनका वजन बढ़ने का खतरा रहता है।

लोगों पर हुई रिसर्च में ये बात आई सामने
यूनिवर्सिटी ऑफ सरी (Surrey) में हुई एक रिसर्च में वॉलंटियर्स को तीन में से एक टास्क चुनने को कहा गया- चीज रैप बनाएं, वीडियो देखें जिसमें कोई चीज रैप बना रहा हो, या फिर किसी ऐक्टिविटी जैसे पेटिंग करने के बाद बना बनाया चीज रैप खाएं।

वीडियो देखने वालों ने खाया ज्यादा खाना
इस शोध में यह पाया गया कि वीडियो देखने वाले वॉलंटियर्स ने तस्वीर पेंटिंग करने वालों से 14 परसेंट ज्यादा खाया। वहीं जिन्होंने अपना रैप बनाया था उन्होंने तस्वीर पेंटिंग करने वालों से 11 परसेंट ज्यादा खाया।

हेल्दी फूड वीडियोज करेंगे मोटिवेट
रिसर्च से यह नतीजा भी निकला कि जब खाना बनता देखते हैं तो आपके कई सारे सेंस काम करते हैं। इस तरह से दिमाग और बॉडी खाने के लिए पहले से तैयार हो जाते हैं। ऐसे में इंसान को तेज भूख लगने लगती है और वह ज्यादा खा लेता है। स्टडी का डेटा सामने आने के बाद यह सलाह दी गई कि फूड वीडियोज देखने का सही तरीका यह है कि आप हेल्दी फूड वाले वीडियोज देखें।

खाली पेट एलोवेरा जूस पीने से सभी स्किन प्रॉब्लम्स होती हैं दूर

आप अगर स्किन प्रॉब्लम्स का लगातार सामना कर रहे हैं, तो सुबह उठकर खाली पेट एलोवेरा कर दें, इससे न सिर्फ आपकी स्किन की समस्याएं दूर हो जाएंगी बल्कि आपके पेट, जोड़ों के दर्द की समस्या भी कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएगी। एलोवेरा का ग्वारपाठा, घृत कुमारी, गिलोय भी कहा जाता है। एलोवेरा को सौंदर्य निखार के लिए हर्बल कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स जैसे एलोवेरा जैल, बॉडी लोशन, हेयर जैल, स्किन जैल, शैंपू, साबुन में भी इस्तेमाल किया जाता है।

इन पोषक तत्वों से भरपूर है एलोवेरा
एलोवेरा के जूस का सेवन करने से शरीर में होने वाले पोषक तत्वों की कमी को पूरा किया जा सकता है। इनमें 12 विटामिन, 18 अमीनो एसिड, 20 खनिज, 75 पोषक तत्व और 200 सक्रिय एंजाइम शामिल हैं। इसके अलावा कई रासायनिक गुण खनिज कैल्शियम, जस्ता, तांबा, पोटेशियम, लोहा, सोडियम, मैग्नीशियम, क्रोमियम और मैंगनीज प्रचुर मात्रा में पाया जाता है और इसमें विटामिन के गुण भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। एलोवेरा जूस पीने का तरीका-
अधिकतर लोग हमेशा पेट में गैस बनने और खाने के न पचने की समस्या से ग्रसित रहते हैं। शरीर में पेट संबंधी कोई भी बीमारी हो तो आप सुबह 20 ग्राम एलोवेरा के रस में शहद और नींबू मिलाकर सेवन करें। यह पेट की बीमारी को दूर तो करता ही है, साथ ही साथ पाचन शक्ति को भी बढ़ाता है।

आपको बीमारियों से दूर रखेंगे ये 10 घरेलू उपाय, जानें किस समस्या में करें कौन-सा उपाय

सेहत से जुड़ी एक मशहूर कहावत है 'इलाज से बेहतर बचाव है'। यह बात पूरी तरह सही भी है कि किसी बीमारी की चपेट में आने के बाद इलाज कराने से बेहतर है कि ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे कि आप किसी बीमारी की चपेट में न आ सकें। आज हम आपको ऐसे ही घरेलू उपाय बता रहे हैं जिन्हें अपनाने से आप बीमारियों से बचे रहेंगे।

खराश या सूखी खांसी के लिए अदरक और गुड़
गले में खराश या सूखी खांसी होने पर पिसी हुई अदरक में गुड़ और घी मिलाकर खाएं। गुड़ और घी के स्थान पर शहद का प्रयोग भी किया जा सकता है।

दमे के लिए तुलसी और वासा
दमे के रोगियों को तुलसी की 10 पत्तियों के साथ वासा (अडूसा या वासक) का 250 मिलीलीटर पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर दें। लगभग 21 दिनों तक सुबह यह काढ़ा पीने से आराम आ जाता है।

भूख नहीं लगती, तो मुनक्का हरड़ और चीनी
भूख न लगती हो तो बराबर मात्रा में मुनक्का (बीज निकाल दें) , हरड़ और चीनी को पीसकर चटनी बना लें। इसे पांच छह ग्राम की मात्रा में (एक छोटा चम्मच), थोड़ा शहद मिला कर खाने से पहले दिन में दो बार चाटें।

मौसमी खांसी के लिए सेंधा नमक
सेंधे नमक की लगभग एक सौ ग्राम डली को चिमटे से पकड़कर आग पर, गैस पर या तवे पर अच्छी तरह गर्म कर लें। जब लाल होने लगे तब गर्म डली को तुरंत आधा कप पानी में डुबोकर निकाल लें और नमकीन गर्म पानी को एक ही बार में पी जाएं। ऐसा नमकीन पानी सोते समय लगातार दो-तीन दिन पीने से खांसी, विशेषकर बलगमी खांसी से आराम मिलता है। नमक की डली को सुखाकर रख लें।

बदन के दर्द में कपूर और सरसों का तेल
10 ग्राम कपूर, 200 ग्राम सरसों का तेल-दोनों को शीशी में भरकर मजबूत ठक्कन लगा दें तथा शीशी धूप में रख दें। जब दोनों चीजें मिलकर एक रस होकर घुल जाए। तब इस तेल की मालिश से नसों का दर्द, पीठ और कमर का दर्द और, मांसपेशियों के दर्द शीघ्र ही ठीक हो जाते हैं।

बैठे हुए गले के लिए मुलेठी का चूर्ण
मुलेठी के चूर्ण को पान के पत्ते में रखकर खाने से बैठा हुआ गला ठीक हो जाता है या सोते समय एक ग्राम मुलेठी के चूर्ण को मुख में रखकर कुछ देर चबाते रहे। फिर वैसे ही मुंह में रखकर सो जाएं। सुबह तक गला साफ हो जाएगा। गले के दर्द और सूजन में भी आराम आ जाता है।

फटे हाथ पैरों के लिए सरसों या जैतून का तेल
नाभि में प्रतिदिन सरसों का तेल लगाने से होंठ नहीं फटते और फटे हुए होंठ मुलायम और सुन्दर हो जाते है। साथ ही नेत्रों की खुजली और खुश्की दूर हो जाती है।सर्दी बुखार और सांस के पुराने रोगों के लिए तुलसी
तुलसी की 21 पत्तियां स्वच्छ खरल या सिलबट्टे (जिस पर मसाला न पीसा गया हो) पर चटनी की तरह पीस लें और से 10 से 30 ग्राम मीठे दही में मिलाकर नित्य प्रातः खाली पेट तीन महीने तक खाएं। याद रहे कि दही खट्टी न हो।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह की शुरुआत यात्रा से हो सकती है। पारिवारिक या व्यावसायिक कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। इस सप्ताह आप जैसा चाहेंगे वैसा होने में संदेह है। दूसरों के अनुसार चलना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अचानक पैसों की आवश्यकता पड़ सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ : आर्थिक सामाजिक दृष्टि से सप्ताह महत्वपूर्ण है। बड़े फैसले लेने का समय है। संकटों से निजात पाने के लिए किसी की मदद जरूर लें। कार्य-व्यवसाय को रफ्तार देने के प्रयास करें। पारिवारिक सहयोग प्राप्त रहेगा, लेकिन आपको तेजी से निर्णय लेना पड़ेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। चिंता और तनाव परेशान करेगा।

मिथुन : मान-सम्मान, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अटके हुए कार्यो को गति मिलेगी। नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी और उसे पूरा करने में सफल भी होंगे। महिलाओं के लिए सप्ताह महत्वपूर्ण है। नौकरीपेशा को बड़े पद ऑफर होंगे। व्यावसायिक गतिविधियां तेज होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाने का मन बनेगा।

कर्क : पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उन्नतिदायक है। संपत्ति के अटके हुए काम हो जाएंगे। कार्य में परिवर्तन, स्थान में बदलाव होने की संभावना है। व्यापार में तेजी-मंदी का दौर थमेगा और आप एक स्थायित्व की ओर बढ़ेंगे। मानसिक शांति प्राप्त होगी। संतान पक्ष की चिंता दूर होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों से मुक्ति मिलेगी।

सिंह : पराक्रम, प्रतिष्ठा और संपन्नता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को बदलाव का सामना करना पड़ेगा लेकिन यह बदलाव शुभ दिशा में होगा। युवाओं को बड़े जॉब ऑफर हो सकते हैं। नया वाहन खरीदने के योग हैं। पैतृक संपत्ति प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, कमोडिटी बाजार में लाभ के संकेत हैं। भाई-बहनों के साथ किसी बात पर मतभेद होने के संकेत हैं।

कन्या : स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। कमर दर्द, जोड़ों के दर्द की समस्या बनी रहेगी। मानसिक रूप से जरूर आप स्वस्थ और शांत रहेंगे। किसी बात पर परिजनों से मतभेद हो सकते हैं लेकिन उन्हें आपसी बातचीत से सुलझा लेंगे। नौकरीपेशा को उन्नति मिलने के संकेत हैं। कारोबारियों को कार्य विस्तार की दिशा मिलेगी।

तुला : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। परिवार के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। संपन्नता प्राप्त होगी। नई प्रॉपर्टी खरीदने के योग हैं। अपने पुराने मकान का रिनोवेशन करने का काम शुरू होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खर्च में कमी आएगी और बचत बढ़ेगी।

वृश्चिक : ध्यान रखें, क्रोध न करें। किसी बात पर क्रोध आए तो उसे नियंत्रित करें अन्यथा बने बनाए काम बिगड़ सकते हैं। संपत्ति को लेकर विवाद उभरेगा लेकिन आपको धैर्य रखना होगा। पैसों की कमी महसूस हो सकती है और इसके कारण कुछ काम अटक भी सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में ठहराव महसूस होगा।

धनु : आपके संयम, धैर्य और साहस की परीक्षा हो सकती है लेकिन आत्मविश्वास के दम पर आप हर परिस्थिति में विजेता की तरह उभरेंगे। सप्ताह भागदौड़ भरा जरूर रहेगा काम सही दिशा में होने के कारण आपमें एक अदम्य ऊर्जा का प्रवाह होगा। जीवन में आगे बढ़ना है तो ना कहने की आदत भी डालनी होगी।

मकर : सप्ताह में कार्यो को गति मिलेगी। अब तक जो कार्य आप करने से पीछे हट जाते थे या घबराकर छोड़ देते थे उन्हें पूरा करने की दिशा में बढ़ेंगे। किसी बात पर क्रोध आए तो किसी अच्छी बात के बारे में सोचें इससे मन बदलेगा। जीवनसाथी के साथ किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कर उसका समाधान निकालेंगे।

कुंभ : सप्ताह मनोरंजन और पर्यटन में गुजरेगा। सप्ताह की शुरुआत में परिवार, जीवनसाथी या प्रेमी-प्रेमिका के साथ कहीं घूमने जाएंगे। घर-परिवार में आनंदोत्सव होगा। नाते-रिश्तेदारों से मिलना होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नए कार्य, व्यवसाय, नौकरी प्राप्त होगी। सामाजिक दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण पद मिल सकता है।

मीन : सप्ताह में आपको अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना होगा। ऊर्जावान बने रहने के लिए खानपान पर ध्यान दें। अच्छा साहित्य पढ़े, अच्छे लोगों की संगत करें। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। प्रेमी-प्रेमिका के साथ पर्यटन का अवसर आएगा। मानसिक शांति प्राप्ति होगी। बड़े काम संपन्न हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा।

**तबीयत खराब थी, ना कोई दवा काम आई,
ना कोई ताबीज काम आया...!
फोन कर के साली से बात की,
तब जाकर थोड़ा आराम आया...**

पत्नी मायके से वापस आई तो
पति दरवाजा खोलते हुए हंसने लगा...
पत्नी - ऐसे क्यों हंस रहे हो...?
पति - बाबा ने कहा था कि जब भी मुसीबत सामने आए उसका सामना हंसते हुए करो...!

नई दुल्हन ससुराल आई
सास - बहू, तुम्हें जो भी बनाना आता है जाकर बना लो
बहू- ठीक है मम्मी जी
सास- मुझे भी खिलाना देना...
थोड़ी देर में किचन से आवाज़ आई मम्मी जी, आपका भी सोडे के साथ बना दूं?

यूपी के हर जिले में शुरू होगी फ्री आईएएस आईपीएस की कोचिंग, सीएम योगी ने की घोषणा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वसंत पंचमी के दिन से शुरू हुई अभ्युदय कोचिंग योजना शीघ्र ही मण्डल स्तर के बाद जिला स्तर पर भी शुरू होगी। इसके अलावा इस अभ्युदय कोचिंग से वर्चुअल और भौतिक रूप से जुड़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर प्रतियोगी छात्रों को टैबलेट की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए बजट में प्रावधान भी किया गया है।

मुख्यमंत्री एनेक्सी भवन गोरखपुर के सभागार में अभ्युदय कोचिंग के प्रतियोगी छात्रों एवं एमएमएमयूटी के 'ज्ञानसिंधु डिजिटल पुस्तकालय प्लेटफार्म' लांचिंग समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल पुस्तकालय एप की लांचिंग पर एमएमएमयूटी के कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय, शिक्षकों एवं छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह काम बहुत पहले होना चाहिए लेकिन देर से सही, यह अच्छा काम हुआ है। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन में इस लाइब्रेरी से सभी जानकारी मिल जाएगी। स्वयं की भी डिजिटल लाइब्रेरी बना सकते हैं। कार्यक्रम के मंच से सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में अभ्युदय कोचिंग को लेकर सबसे अच्छे परिणाम गोरखपुर कमिश्नरी से मिले हैं। उन्होंने कहा कि यह सब कुछ रुचि लेने पर निर्भर करता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड 19 के दौर में कक्षाओं में भौतिक रूप से समिति संख्या में छात्रों को जोड़ा गया है। लेकिन शेष वर्चुअल कक्षाएं हासिल कर सकते हैं।

जल्द ही इस कक्षाओं का मिल रहे अनुभव पर विस्तार किया जाएगा। कार्यक्रम के मंच पर कमिश्नर जयंत नार्लिकर, एडीजी अखिल कुमार, डीएम के. विजयेंद्र पांडियन, एमएमएमयूटी के कुलपति प्रोफेसर जेपी पाण्डेय, नगर आयुक्त अंजनी कुमार सिंह, सीडीओ इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे। संचालन जिला समाज कल्याण विभाग अलख निरंजन मिश्रा ने किया। स्वागत एवं अभ्युदय कोचिंग की उपलब्धियां जयंत नार्लिकर ने गिनाई।

अभ्युदय सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान का समन्वय

सीएम ने कहा कि बाहर की कोचिंग के पास अपनी फैकेल्टी और तकनीक है लेकिन हमने अलग प्रयास किया। जहां प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होकर प्रशासनिक सेवा कार्य कर रहे हैं, दोनों में अंतर है। वहां एक व्यक्ति सिर्फ मार्गदर्शन कर रहा यहां मार्गदर्शन के साथ व्यवहारिक अनुभव भी दे रहा है।

सोशल मीडिया की 24 घंटे निगरानी करेगी दिल्ली पुलिस, 100 पेशवरों की विशेष टीम तैयार

दिल्ली में फेक न्यूज, भड़काऊ बयान, भाषणों और सोशल मीडिया के विवादास्पद पोस्ट के चलते हाल में हुई हिंसा की घटनाओं को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया की निगरानी बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस ने 100 पेशवरों की एक विशेष टीम तैयार की है जो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लैटफॉर्म्स पर 24 घंटे नजर रखेगी।

इतना ही नहीं, पुलिस ने इसके लिए डिजिटल वॉलंटियर को भी सक्रिय किया है। कुल मिलाकर, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भड़काऊ, नफरत फैलाने वाली कोई भी सामग्री किसी भी रूप में पोस्ट या शेयर करने वालों की खैर नहीं है।

सोशल मीडिया निगरानी सेल तैयार : दिल्ली पुलिस ने इस काम के लिए एक सोशल मीडिया निगरानी सेल भी बनाई है, जिसमें पेशवरों की तैनाती की गई है। टीम में शामिल हर शख्स को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। कुछ साइबर विशेषज्ञ भी लगाए गए हैं, जो जरूरत पड़ने पर टीम की मदद करेंगे। टीम में दिल्ली पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को भी जोड़ा गया है, जो बताएंगे कि कैसा कंटेंट कार्रवाई योग्य है और किस तरह की कार्रवाई होनी चाहिए।

आपत्तिजनक पोस्ट सामग्री हटाई जाएगी

टीम के संज्ञान में कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट या संदेश आने पर सबसे पहले उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आरोपी के बारे में संबंधित कंपनियों से जानकारी मांगी जाएगी और साक्ष्य जुटाकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो साल में 1800 वेबसाइट ब्लॉक कीं

दिल्ली पुलिस साइबर सेल ने पिछले दो साल में घृणा फैलाने वाले या आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट किए जाने पर करीब 1800 वेबसाइट व यूआरएल को ब्लॉक कराया है। इस दौरान करीब 300 से ज्यादा साइबर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। साइबर सेल के पास प्रतिबंधित संगठनों के नेटवर्क के जरिए सोशल मीडिया पर हजारों फर्जी यूआरएल (यूनिफॉर्म रीसोर्स लोकेटर) बनाने की शिकायतें भी मिल रही हैं। इन पर आपत्तिजनक सामग्री, खासतौर से देशहित को संकट में डालने वाली और सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाली होती हैं। ऐसे पोस्ट भी लगातार ब्लॉक कराए जा रहे हैं। साथ ही धर-पकड़ की कार्रवाई भी की जा रही है।

पुलिस की अपील अफवाह न फैलाएं

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल सही और तथ्यपरक सूचना प्रसारित करने के लिए करें। इसके माध्यम से अफवाह न फैलाएं। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों की जानकारी पुलिस से साझा करें।

कत्ल के झूठे केस में शख्स ने 14 साल जेल में बिताए, अब हाईकोर्ट ने किया बरी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे कैदी को लगभग 14 साल जेल में बिताने के बाद बरी कर दिया है। कोर्ट ने दो अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया है। ये पहले से जमानत पर थे। कोर्ट ने कहा कि घटना के समय चश्मदीद गवाहों की मौजूदगी संदेहास्पद है।

अभियोजन पक्ष आरोप को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। साथ ही सत्र न्यायालय ने साक्ष्यों को समझने में गलती की है। यह निर्णय न्यायमूर्ति मनोज मिश्र तथा न्यायमूर्ति एसके पचौरी की खंडपीठ ने मुकेश तिवारी, इंद्रजीत मिश्र व संजीत मिश्र की आपराधिक अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। अभियोजन पक्ष का कहना था कि प्रताप शंकर मिश्र व उनकी पत्नी मनोरमा देवी घर पर कमरे में सोये थे। दो भाई बरामदे में सोये थे। पत्नी मनोरमा देवी ने कहा कि आरोपी हाकी, चाकू व पिस्टल लेकर आए और हमला कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में शरीर पर हॉकी की चोट के निशान नहीं हैं। गोली गले में लगी है। पत्नी सहित अन्य चश्मदीद के कपड़ों पर खून नहीं है। हमलावर शोर सुनकर बाउंड्री कूदकर भाग गए। किसी ने पकड़ने की कोशिश नहीं की और उन्हें बाउंड्री कूदकर भागते भी किसी ने नहीं देखा। इससे लगता है कि चश्मदीद गवाह घटना के बाद वहां पहुंचे। घायल को गाड़ी से रेवती थाने ले गए।

दिल्ली में चलती बस में महिला कॉन्स्टेबल से छेड़छाड़, विरोध जताने पर हेलमेट से मारा

राजधानी दिल्ली में अपराधियों का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वो अब आम इंसान के साथ ही पुलिसकर्मियों से भी अपराध करने में नहीं झिझक रहे हैं। ऐसा ही एक मामला द्वारका में देखने को मिला है। दिल्ली के द्वारका इलाके में चलती बस में एक व्यक्ति ने 25 वर्षीय महिला पुलिस कॉन्स्टेबल के साथ कथित रूप से छेड़खानी की और उस पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घटना बुधवार दोपहर हुई जब पीसीआर यूनित में तैनात एक महिला कॉन्स्टेबल ड्यूटी पर जा रही थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी भी कॉन्स्टेबल के साथ क्लस्टर बस में चढ़ा और उसके पीछे खड़ा हो गया। इसके बाद उसने गलत तरीके से उसे छुआ। जब कॉन्स्टेबल ने इस पर आपत्ति जताई और उस पर चिल्लाई तो उसने हेलमेट से उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने कहा कि हमले में कॉन्स्टेबल घायल हो गई जबकि आरोपी बस से उतरकर भाग गया। महिला कॉन्स्टेबल को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल उनकी तबीयत स्थिर है। उन्होंने कहा कि घटना के वक्त कोई भी महिला कॉन्स्टेबल की मदद के लिए आगे नहीं आया। यहां तक की बस चालक और मार्शल ने भी मदद नहीं की। चालक का कहना है कि घटना बस से बाहर हुई थी। द्वारका के पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने कहा कि वे आरोपी की पहचान करने के लिए उस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है, जहां घटना को अंजाम दिया गया था।

मानवता शर्मसार · इलाज के पैसे नहीं दे पाने पर अस्पताल ने मासूम को फटे पेट निकाला बाहर, बच्ची की हुई मौत

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। पिपरी थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी अस्पताल ने परिवार द्वारा इलाज की पूरी रकम नहीं दे पाने पर तीन साल की मासूम बच्ची को बिना टांका लगाए फटे पेट ही बाहर कर दिया।

इसके बाद बच्ची की हालत बिगड़ती चली गई और उसने दम तोड़ दिया।

प्रयागराज के करेहदा के मुकेश मिश्रा ने अपनी 3 साल की मासूम बेटी खुशी को 20 दिन पहले रावतपुर व घोसी गांव के बीच स्थित एक निरी अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि 13वें दिन बच्ची को जबरन बाहर निकाल दिया गया। परिजन उसको लेकर कई और अस्पताल में गए, लेकिन उसको भर्ती नहीं किया गया। इस दौरान बच्ची की हालत और बिगड़ती चली गई और आखिरकार उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। जानकारी होने पर गांव के भी तमाम लोग इकट्ठा हो गए और चक्काजाम कर दिया। जानकारी होने पर सीओ श्यामकांत कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों को किसी तरह समझा-बुझाकर शांत कराया। मुकेश मिश्र ने मामले में डॉक्टरों के खिलाफ लापरवाही से इलाज करने की तहरीर दी है। साथ ही बताया कि बेटी का तीन जगह से ऑपरेशन किया गया था। उसके पेट में कई जगह टांका भी लगा हुआ है। पुलिस ने तहरीर लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सीओ श्यामकांत ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, डीएम ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी नगर व सीएमओ को जांच करने को कहा है। डीएम ने निर्देश दिया है कि आरोप सही मिलते हैं तो तत्काल कड़ी कार्रवाई करें।

बेटी के इलाज के लिए बेचा था खेत

बेटी के इलाज के लिए मुकेश मिश्रा ने अपना खेत बेच दिया था। इलाज में उसने करीब ढाई लाख रुपये फूंके थे। 13 दिन तक अस्पताल में भर्ती करने के बाद हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। अस्पताल का स्टाफ लगातार रुपये जमा करने के बात कह रहा था। इसके बाद भी उसको अस्पताल से जबरन बाहर निकाल दिया गया था। इससे परिजन परेशान थे। खुशी की मौत के बाद परिजन आगबबूला हो गए और विरोध करते हुए चक्काजाम कर दिया।

आयशा सुसाइड केस· इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने किया दहेज मांगने वालों के सामाजिक बहिष्कार का आह्वान

गुजरात में आएशा की खुदकुशी की घटना से दुखी इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने मुसलमानों से दहेज की मांगने वालों का सामाजिक बहिष्कार करने की अपील की। जुमे की नमाज से पहले खुतबे में मौलाना ने मस्जिदों के इमामों से भी निकाह के सम्बन्ध में इस्लामी तरीको को बताने और दहेज़ की मांग का सख्त विरोध करने की अपील की। ऐशबाग स्थित मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद ने जुमे की नमाज से पहले उन्होंने काजियों से गुजारिश की कि वह निकाह का खुतबा पढ़ाने से पहले यह यकीन कर लें कि इस शादी में दहेज़ की मांग तो नही की गयी है। मौलाना फरंगी महली ने दहेज की मांग करने को गैर इस्लामी और एक जुर्म करार दिया। उन्होंने मस्जिदों के इमामों से गुजारिश की कि वो इसके खिलाफ मुस्लिम समाज को जागरूक करें।

मौलाना फरंगी महली ने कहा कि खुदा पाक ने अपनी इबादत को जिस तरह आसान रखा है, उसी तरह अपनी बन्दगी के तरीके सीधे और बहुत कम खर्च के रखे हैं। साथ ही अपने बन्दों के बीच मामलात भी बहुत आसान कर रखे हैं। उन्होने कहा कि इस्लामी शरीअत ने निकाह को इंसान की फितरी जरूरत बताया है।

डिजिटल इंडिया की तरफ रेलवे का नया कदम, अब ट्रेन में डेबिट और क्रेडिट कार्ड से भी भर सकेंगे जुर्माना

रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। रेलवे द्वारा डिजिटल इंडिया की तरफ एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए जल्द ही ट्रेन के अंदर डेबिट और क्रेडिट कार्ड से लेन-देन की सुविधा शुरू की जा सकती है। इस सुविधा के बाद बिना टिकट पकड़े गए यात्री कार्ड से जुर्माने का भुगतान कर पाएंगे और यात्रा जारी रखने के लिए आगे की टिकट भी ले सकेंगे। इससे यात्रियों और टीटीई को सहूलियत होगी। हालांकि, नकदी का लेन-देन पहले की तरह जारी रहेगा।

जानकारी के अनुसार, मार्च माह के अंत तक यह सुविधा पूर्वोत्तर रेलवे में ट्रायल के तौर पर शुरू हो जाएगी। दिल्ली में भी इसके शुरू करने की कार्ययोजना बन रही है। जल्द ही इसे यहां भी लागू किया जाएगा। इसके लिए रेलवे ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से करार किया है। जल्द ही रेलवे कर्मियों को पीओएस मशीनें उपलब्ध करवा दी जाएंगी। किराया या जुर्माने के रूप में वसूली के पैसे सीधे रेलवे के खाते में जाएंगे। यात्रियों को भी डिजिटल भुगतान से सहूलियत होगी। बता दें कि, कोरोना वायरस की वजह से धीमी पड़ी रेल सेवा अब धीरे-धीरे पटरी पर अपनी गति में लौट रही है। कोरोना की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन के कारण 24 मार्च 2020 से ही ट्रेनों का संचालन ठप था। हालांकि, बाद में सिलसिलेवार तरीके से देशभर में ट्रेनों की सेवा बहाल की जा रही है। ट्रेनों के परिचालन के दौरान यात्रियों को मास्क पहनना और सोशल डिस्टेसिंग मेंटेन करना जैसे कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करना जरूरी है।

केजरीवाल सरकार का ऐलान- दिल्ली का होगा अपना शिक्षा बोर्ड, इस साल 20 से 25 स्कूलों से होगी शुरुआत

दिल्ली का अपना शिक्षा बोर्ड होगा। केजरीवाल सरकार ने शनिवार को 'दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन' के गठन को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस साल 20 से 25 सरकारी स्कूलों को इस बोर्ड में शामिल किया जाएगा। उनकी संबंद्धता सीबीएसई स्कूलों से हटाकर इस बोर्ड से की जाएगी। एकदम से सभी स्कूलों को इस बोर्ड में शामिल नहीं किया जाएगा। किस स्कूल को इस बोर्ड में शामिल करना है, इसका फैसला वहां के टीचर, प्रिंसिपल और पेरेंट्स से सलाह-मशविरा करने के बाद लिया जाएगा।

केजरीवाल ने कहा, 'बीते 6 साल में हमने सरकारी स्कूलों के बेहतर बनाया है। अब हम बोर्ड गठन के साथ अगले चरण में जा रहे है। दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन की स्थापना दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था में हो रहे क्रांतिकारी परिवर्तन को नई ऊंचाइयों की तरफ लेकर जाएगा। बोर्ड की एक गवर्निंग बॉडी होगी जिसकी अध्यक्षता शिक्षा मंत्री करेंगे। बोर्ड की एक एग्जीक्यूटिव बॉडी भी होगी जिसे एक सीईओ संभालेगा। दोनों समितियों में उद्योग, शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञ, सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के प्रिंसिपल, नौकरशाह होंगे।

दिल्ली शिक्षा बोर्ड के होंगे तीन उद्देश्य

मुख्यमंत्री ने कहा, 'अब यह तय करने का समय आ गया है कि दिल्ली में क्या और कैसे पढ़ाया जा रहा है। बोर्ड के तीन प्रमुख मकसद होंगे। पहला उद्देश्य होगा कि हर बच्चा देशभक्त हो। हमें ऐसे बच्चे तैयार करने हैं जो हर क्षेत्र में देश की जिम्मेदारी संभालने लायक बने। दूसरा लक्ष्य है कि हमारे बच्चे अच्छे इंसान बनें। धर्म व जाति से ऊपर अच्छा इंसान बने। तीसरा मकसद है कि बोर्ड ऐसी शिक्षा प्रणाली तैयार करेगा कि बच्चे को पढ़ाई के बाद नौकरी मिल सके। रोजगार मिल सके। आज का शिक्षा तंत्र रटने पर जोर देता है। लेकिन दिल्ली शिक्षा बोर्ड रटने पर जोर नहीं देगा। बच्चे का असेसमेंट पूरा साल चलेगा। ये इंटरनेशल लेवल का बोर्ड होगा। स्टूडेंटस की पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर भी जोर दिया जाएगा।'

बिहार में टला बड़ा रेल हादसा, समस्तीपुर में जानकी एक्सप्रेस से टकराई जेसीबी

बिहार के समस्तीपुर में समस्तीपुर-खगड़िया रेलखंड पर जयनगर से मनिहारी जा रही जानकी एक्सप्रेस हादसे की शिकार हो गई। समस्तीपुर-सहरसा रेल खंड में नयानगर में बखरी ढाला पर जानकी एक्सप्रेस की एक पोकलेन से टक्कर हो गई। इससे पोकलेन का चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया जबकि ट्रेन का इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

इस हादसे में ट्रेन के किसी यात्री को कोई चोट नहीं आयी। हादसे के बाद रेल महकमे में अफरातफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा सुबह करीब 8.30 बजे हुआ। समस्तीपुर से सहरसा जा रही जानकी एक्सप्रेस जिस समय बखरी ढाला के पास पहुंची उस समय गुमटी खुली हुई थी और गुमटीमैन लापता था जिससे पोकलेन लेकर चालक गुमटी तक पहुंच चुका था।इससे ट्रेन के इंजन और पोकलेन में टक्कर हो गई। बताया जाता है कि टक्कर के बाद इंजन में फंसने से पोकलेन करीब पांच सौ मीटर तक घसीटता चला गया। इससे इंजन में खराबी आ गई।

SPORTS खेल जगत

महान सुनील गावस्कर ने 'जड़ी' अनोखी फिफ्टी, BCCI ने किया सम्मानित

भारत के महान बल्लेबाजों में एक सुनील गावस्कर के लिए आज का दिन बेहद खास है, क्योंकि उन्होंने 50 साल पहले आज ही के दिन उस समय की खतरनाक टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। लिटिल मास्टर ने अपनी पहली ही सीरीज में दुनिया को संकेत दे दिए थे कि आने वाला समय उन्हीं का है। इस सीरीज में उन्होंने यादगार प्रदर्शन करते हुए 774 रन जोड़े। इस खास मौके पर बीसीसीआई ने उन्हें अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सम्मानित किया है।

बीसीसीआई ने शनिवार को भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के तीसरे दिन सुनील गावस्कर को सम्मानित किया।

बोर्ड सचिव जय शाह ने इस दौरान उन्हें एक मोमेंटो देकर इंटरनेशल क्रिकेट में 50 साल पूरे करने पर बधाई दी। मैदान पर मौजूद फैन्स ने भी अपने फेवरेट क्रिकेटर को अच्छा फील कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसकी वीडियो बीसीसीआई ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है।

इस खास मौके पर उन्हें अपना रोल मॉडल मानने वाले सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, ''50 साल पहले आज के दिन क्रिकेट की दुनिया में एक तूफान आया था।

तेज गेंदबाज शिखा पांडे को लेकर बढ़ा विवाद, हरमनप्रीत कौर बोलीं-हमने उन्हें बाहर नहीं किया

भारतीय महिला वनडे टीम की उपकप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली लिमिटेड ओवर की सीरीज के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे को टीम में नहीं रखना मुश्किल फैसला था लेकिन उन्हें बाहर नहीं किया गया है। भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच वनडे और तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी जिसकी शुरुआत रविवार को लखनऊ में पहले वनडे से होगी जिससे लगभग 12 महीने बाद टीम की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी होगी। शिखा को दक्षिण अफ्रीका सीरीज के खिलाफ वनडे और टी-20 दोनों टीमों में जगह नहीं दी गई है और अब इस फैसले से हलचल मच गई है।

भारत की टी-20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, "मैं जानती हूं कि यह मुश्किल फैसला था, कभी-कभार आपको अन्य खिलाड़ियों को भी मौका देने की जरूरत होती है।

इस टूर्नामेंट के बाद हम अपना संयोजन निश्चित कर पाएंगे क्योंकि हमें अगले दो-तीन सालों में काफी क्रिकेट खेलना है।" 31 वर्षीय शिखा ने भारत के लिए 52 वनडे और 50 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने क्रमश: 73 और 36 विकेट चटकाए हैं।

आगामी सीरीज के बारे में बात करते हुए हरमनप्रीत ने कहा कि खेल से इतने समय तक दूर रहने के बावजूद कोई परेशानी नहीं है और वे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर अपना आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी।

उन्होंने कहा, "मैं जानती हूं कि यह लंबा ब्रेक था, कभी-कभार चीजें आपके नियंत्रण में नहीं होती।

मुझे उम्मीद है कि हम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।" हरमनप्रीत ने कहा कि हर टूर्नामेंट महत्वपूर्ण है और निश्चित रूप से दक्षिण अफ्रीका एक ऐसी टीम है जिसने पिछले दो सालों में काफी अच्छा प्रदर्शन दिखाया है, हमारे लिए उनके खिलाफ खेलना और आत्मविश्वास हासिल करना फायदेमंद है क्योंकि हम काफी लंबे समय बाद खेल रहे हैं।

वीरेन्द्र सहवाग की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देखकर जानिए क्या बोले सचिन तेंदुलकर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वीर नारायण इंटरनैशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के मैच भारत ने बांग्लादेश को बुरी तरह से हराया। वीरेंद्र सहवाग एक बार फिर अपने पुराने लय में दिखे। उन्होंने ताबड़तोड़ इनिंग खेली।

जिसकी बदौलत टीम इंडिया ने बांग्लादेश पर 10 विकेटों से बड़ी जीत दर्ज की। सहवाग की शानदार पारी देख कर सचिन तेंदुलकर भी उनकी जमकर तारीफ की है। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 109 रन बनाए, जीत के लिए भारत को 110 रनों की आवश्यकता थी।

लेकिन सहवाग ने 35 गेंदों पर 80 रन जोड़कर इस स्कोर को बहुत छोटा बना दिया।

दूसरे टी-20 मैच में श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को हराया, क्रिस गेल और कीरोन पोलार्ड का बल्ला रहा खामोश

श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज इस समय 1-1 से बराबर है। दूसरे मैच में श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 43 रनों से शिकस्त दी। सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 7 मार्च को खेला जाएगा। पहले टी20 मैच में कीरोन पोलार्ड की धमाकेदार इनिंग की बदौलत वेस्टइंडीज ने जोरदार जीत दर्ज की थी। लेकिन दूसरे टी20 मैच में ना तो पोलार्ड चले और ना ही क्रिस गेल के बल्ले से रन निकले।

श्रीलंका की टीम इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलने के बाद इन दिनों वेस्टइंडीज के दौरे पर है। जहां दूसरे टी20 मैच में श्रीलंका ने टाॅस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

पहले विकेट के 95 रनों की साझेदारी हुई। पथुम निशांका 37 रन के स्कोर पर रन आउट हुए। उनकी जगह खेलने आए चांडीमल ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए, और 3 बनाकर ब्रावो का शिकार हुए। 10 के अंदर श्रीलंका ने अपने तीन विकेट गंवा दिए। 20 ओवर में श्रीलंका ने 6 विकेट खोकर 160 रन बनाए। गुनाथालिका ने सबसे अधिक 56 रनों की पारी खेली।

वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 161 रनों की जरूरत थी। लेकिन इविन लुईस बड़ी पारी नहीं खेल पाए। उन्हें धनंजय ने 6 के स्कोर पर बोल्ड किया।

स्टेडियम में जाकर दर्शक देख पाएंगे AUS-NZ के बीच 5वां टी-20 मैच, अभी सीरीज 2-2 से बराबर

न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में कोविड-19 संबंधित पाबंदियों में ढील दिए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को न्यूजीलैंड के आखिरी टी-20 इंटरनेशनल और इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड महिला टीम के अंतिम मैच के लिए दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने देश में कोविड-19 लॉकडाउन की नई पाबंदियों की घोषणा की थी। वेलिंगटन को सतर्कता प्रणाली में दूसरे स्तर में रखा गया था जिसमें खेल प्रतिस्पर्धाओं को दर्शकों के बिना ही आयोजित करने की अनुमति थी। लेकिन अब इनमें ढील दी गई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि वेलिंगटन के सतर्कता के स्तर में ढील देने का मतलब है कि दर्शक अब रविवार को स्काई स्टेडियम में अंतिम टी-20 इंटरनेशनल डबल-हेडर मुकाबले देख सकते हैं।

न्यूजीलैंड मेन्स टीम के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टी-20 इंटरनेशनल और न्यूजीलैंड महिला टीम के इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टी-20 मुकाबलों को इस हफ्ते के शुरू में 'लाजिस्टिकल' कारणों से तौरंगा से हटा दिया गया था।

देश परदेश

डर या चुनौती? 30 साल में पहली बार अपना सबसे बड़ा दांव खेलने जा रही हैं ममता बनर्जी, जानें कैसे

पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव इस बार कितना दिलचस्प होने वाला है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया ममता बनर्जी इस बार अपना सबसे बड़ा दांव खेलने जा रही हैं। ममता बनर्जी ने नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। 30 सालों में ऐसा पहली बार है, जब ममता बनर्जी अपने गढ़ से बाहर निकलकर चुनाव लड़ रही हैं। पिछले तीन दशकों में ममता बनर्जी ने भवानीपुर से अलग होकर कभी भी चुनाव नहीं लड़ा, मगर ऐसा इस बार होने जा रहा है। 1991 से लेकर 2011 तक ममता बनर्जी कोलकाता (साउथ) की सांसद रहीं। इस लोकसभा सीट में ही भवानीपुर विधानसभा सीट भी आती है। हालांकि, जब 2011 में उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया, तो उन्होंने भवानीपुर को ही चुना। 2011 से लेकर अब तक ममता बनर्जी भवानीपुर का प्रतिनिधित्व करती आई हैं।

मगर शुक्रवार को जब टीएमसी के उम्मीदवारों की लिस्ट आई तो सबकी नजर इसी बात पर थी कि ममता बनर्जी भवानीपुर और नंदीग्राम दोनों सीट से लड़ती हैं या नहीं। मगर कैंडिडेट लिस्ट जारी करने के साथ ही भाजपा की चुनौती को स्वीकार करते हुए ममता बनर्जी ने ऐलान कर दिया कि वह इस बार सिर्फ उसी नंदीग्राम से चुनाव लड़ेंगी, जहां पर माना जा रहा है कि भाजपा उनके पुराने सहयोगी रहे शुभेंदु अधिकारी को उतार सकती है।

ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा,

'अगर जरूरत पड़ी तो मैं फिर यहां से चुनाव लड़ूंगी। मैं यहां से चुनाव लड़ूं या नहीं, मगर भवानीपुर हमेशा मेरी पकड़ में रहेगी। ममता ने अपनी पारंपरिक सीट से शोभनदेब चट्टोपाध्याय को उतारा है। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं हमेशा यहां रहूंगी और नजर रखूंगी।

रेप केस में आरोपी से बोले चीफ जस्टिस, पीड़िता से शादी करोगे तो मिलेगी बेल, वरना जेल...

एक सरकारी कर्मचारी की ओर से रेप केस में गिरफ्तारी से संरक्षण मांगे जाने की अपील पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो शर्त रखी उस पर बहस शुरू हो गई है। सर्वोच्च अदालत ने आरोपी से कहा कि वह पीड़िता से शादी करने को हामी भरेगा तभी बेल मिलेगी वरना जेल में रहना होगा।

सुप्रीम कोर्ट में मोहित सुभाष चव्हान की जमानत याचिका पर सुनवाई चल रही थी।

महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिक प्रोडक्शन कंपनी में टेक्नीशियन मोहित पर एक स्कूली बच्ची से रेप का आरोप है और उस पर बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (POCSO) की गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एसए बोबडे ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, "यदि आप शादी करना चाहते हैं तो हम मदद कर सकते हैं।

यदि नहीं तो नौकरी जाएगी और जेल जाना होगा। तुमने लड़की को लुभाया और उसके साथ रेप किया।" आरोपी के वकील ने दलील दी थी कि उसके क्लाइंट की नौकरी जा सकती है।

जब लड़की पुलिस में शिकायत दर्ज कराने गई थी तो आरोपी की मां ने शादी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि पीड़िता ने इसे ठुकरा दिया था।

फिर एक सहमति बनी कि लड़की 18 साल की हो जाएगी तो शादी होगी। जब पीड़िता 18 साल की हो गई तो आरोपी ने शादी से मना कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने रेप का केस दर्ज कराया।

बिहार• इंजीनियरिंग कॉलेज में जूनियर और सीनियर छात्रों के बीच जमकर बवाल, हॉस्टल में तोड़फोड़

बिहार के छपरा स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में जूनियर और सीनियर इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के बीच जमकर हॉस्टल में बवाल हुआ। हॉस्टल में उग्र छात्रों ने जमकर तोड़फोड़ भी की। स्थिति बिगड़ते देख किसी छात्र ने इसकी तत्काल सूचना मुफस्सिल थाने को दी लेकिन वहां जब मुफस्सिल थाना अध्यक्ष दयानंद सिंह पहुंचे तो स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गयी थी। उन्होंने इसकी सूचना एसपी संतोष कुमार को दी उसके बाद टाउन थाना भगवान बाजार थाना गरखा थाना तथा पुलिस लाइन से सैकड़ों जवानों को इंजीनियरिंग कॉलेज भेजा गया तब जाकर स्थिति सामान्य हो पायी।

घटना के दौरान छात्र इतने उग्र थे कि इंजीनियरिंग कॉलेज प्रशासन की भी बात को वह नहीं सुन रहे थे। मालूम हो कि इंजीनियरिंग कॉलेज के वर्ष 2018 के छात्र और 19 के छात्र में विवाद हुआ था। हालांकि कुछ लोग दबे जुबान से भी कह रहे हैं कि लड़की के मामले को लेकर कहां पहले कहासुनी हुई फिर रात 2:00 बजे 18 बैच के इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने 19 बैच के छात्रों के हॉस्टल में घुसकर जमकर पहले तोड़फोड़ की पत्थरबाजी शुरू कर दी।

हालांकि की इस घटना में कुछ छात्रों के मामूली रूप से घायल होने की भी सूचना है। वहीं अभी तक इस मामले में किसी भी पक्ष से थाने में एफआईआर के लिए आवेदन नहीं दिया गया है। आपको बता दें कि आज इंजीनियरिंग कॉलेज में परीक्षा भी होनी है।

बिकने जा रहा है पुणे में ओशो आश्रम का हिस्सा, जानिए क्यों आ गई ऐसी नौबत

पुणे के सबसे आकर्षक केंद्रों में से एक ओशो इंटरनेशनल मेडिटेशन रिजॉर्ट सुर्खियों में है और वजह है आश्रम के एक हिस्से की बिक्री का प्लान। ज्यूरिख बेस्ड ओशो इंटरनेशनल फाउंडेशन (OIF) ने कोविड-19 की मार की वजह से आर्थिक तंगी का हवाला देकर यह फैसला किया है। इसी फाउंडेशन के पास कोरेगांव पार्क एरिया के आश्रम का हिस्सा है। इसके जिन दो प्लॉट को बेचने की तैयारी की जा रही है उनकी कीमत 107 करोड़ रुपए लगाई गई है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओशो रजनीश की ओर से स्थापित संप्रदाय के हेडक्वॉर्टर ने पिछले साल मार्च में महामारी की वजह से आश्रम के क्रियाकलापों को स्थगित कर दिया था। सभी सुविधाओं से पूर्ण आश्रम में दुनियाभर के अमीर और मशहूर लोग यहां ध्यान और योग के लिए आते हैं।

गोपालगंज जहरीली शराब कांड में 9 को फांसी पर बोले नीतीश- गड़बड़ करने वालों के लिए यह एक सबक होगा

बिहार के गोपालगंज के खजूरबानी में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत मामले में 9 लोगों को फांसी की सजा पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि यह गड़बड़ करने वालों के लिए एक सबक होगा। एक संदेश जाएगा और लोग गड़बड़ करने से बचेंगे।

टीपीएस कॉलेज के कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री मीडिया से मुखातिब मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी कानून को लेकर पुलिस और उत्पाद विभाग के आला अधिकारी प्रतिदिन इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जो भी गड़बड़ करता है उस पर कार्रवाई होती है।

बता दें कि प्रदेश के गोपालगंज जिले के चर्चित खजूरबानी जहरीली शराबकांड में शुक्रवार को 13 में से नौ दोषियों को फांसी और चार महिलाओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। एडीजे-2 सह स्पेशल जज (उत्पाद) लवकुश कुमार की कोर्ट ने चारों महिलाओं को आजीवन कारावास के साथ दस-दस लाख रुपये के अर्थदंड की भी सजा सुनाई है।

बिहार के बहुचर्चित खजूरबानी जहरीली शराबकांड में करीब साढ़े चार वर्षों तक चले मुकदमे में अभियोजन पक्ष से सात और बचाव पक्ष की ओर से एक की गवाही हुई। 26 फरवरी को 14 में से 13 लोगों को दोषी ठहराया गया था। एक आरोपित ग्रहण पासी की पहले ही मौत हो चुकी है।

बिहार में पहली बार जहरीली शराबकांड में फांसी की सजा

खजूरबानी जहरीली शराब कांड में बिहार में पहली बार किसी कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। इसके पूर्व अलग-अलग जिलों में शराब की बरामदगी के मामले में आरोपितों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

जानें खजुरबानी कांड के बारे में

बता दें कि अगस्त 2016 को गोपालगंज के नगर थाने के खजूरबानी में जहरीली शराब पीने से जहां 19 लोगों की मौत हो गई थी वहीं 10-12 लोगों ने अपनी आंखों की रोशनी गंवा दी थी। मामले मे पुलिस ने छापेमारी कर खजूरबानी में भारी मात्रा में जहरीली शराब बरामद की थी। शराब बरामदगी के बाद नगर थाने के तत्कालीन थानाध्यक्ष बीपी आलोक के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस के आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद सुनवाई शुरू हुई। इस मामले में 14 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

मुम्बई में केसीएफ प्रस्तुत "बॉलीवुड आइकोनिक एवार्ड 2021" का शानदार और सफल आयोजन

कृष्णा चौहान द्वारा आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में एक्टर अली खान के हाथों कई मशहूर हस्तियों, सोशल वर्कर्स और मीडिया कर्मियों को ट्रॉफी से नवाजा गया

अमिताभ बच्चन के साथ फ़िल्म खुदा गवाह जैसी कई फिल्मों में काम करने वाले ऐक्टर अली खान को मुम्बई में "बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021" से नवाजा गया, साथ ही उन्होंने ही अपने हाथों से लोगों को अवार्ड दिया।

मुम्बई के अंधेरी में स्थित मेयर हॉल में 28 फरवरी को आयोजित इस शानदार अवॉर्ड फंक्शन में बॉलीवुड की कई हस्तियां मौजूद थीं। लगातार कई घंटे तक चले इस कार्यक्रम में ऑडिएंस का खूब मनोरंजन हुआ। अली खान ने भी इस शो के आयोजक कृष्णा चौहान की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें बधाई दी और कहा कि कृष्णा चौहान जी ने पिछले साल भी यह अवार्ड किया था। वह बड़ी मेहनत से काम करते है। मैं उन्हें भविष्य के लिए भी ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं।" बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021" से सम्मानित होना यहां सबके लिए बड़े गर्व की बात रही। यह प्रतिष्ठित सम्मान पाकर सभी खुश दिखे। कोरोना काल को देखते हुए और कोविड 19 की सभी गाइडलाइंस को फॉलो करते हुए यह प्रोग्राम किया गया, जहां मास्क, सेनेटाइजर के इस्तेमाल के साथ साथ सोशल डिस्टेंस का खास ख्याल रखा गया।

केसीएफ द्वारा प्रस्तुत चर्चित व प्रतिष्ठित " बॉलीवुड आयकोनिक एवार्ड-2021 ' का मुम्बई में सफल आयोजन हुआ। कृष्णा चौहान फाउंडेशन प्रस्तुत इस दूसरे आयकोनिक एवॉर्ड फंक्शन में पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी बॉलीवुड की कई सेलिब्रिटीज़ तथा मीडिया जगत के दिग्गजों को ये गौरवपूर्ण एवॉर्ड प्रदान किया गया।

इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज़ तथा सोशल वर्क के लिए क्रमशः वरिष्ठ अभिनेता अली खान, प्रोड्यूसर फ़ैयाज़ अली खान, मशहूर एक्ट्रेस दीप्ति तिवारी, शिरीन फ़रीद, खुशबू शर्मा, फरहा अंजर खान, सिया ठाकुर, गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर राजन कुमार, सिंगर ज़ेबा काज़ी, फेमस सिंगर राजू टांक, सिंगर टुटेजा हरप्रीत कौर, हेमंत ठक्कर, डायरेक्टर दिनकर कपूर, डॉ चन्द्रकला सिंह सिंगर, शब्बीर शेख फॉर्च्यून लाइफलाइन, अश्विन ठक्कर एक्स मैनेजर राजेश खन्ना, आलोकनाथ दीक्षित डायरेक्टर, आर राजपाल डिज़ाइनर, गणेश जी बेस्ट ट्रॉफी एंड गिफ्ट मुम्बई, प्रकाश दास पी आर, शेख ज़ाकिर हुसैन मराठी एक्टर, अंजन गोस्वामी, देव सोनिया, डॉ अशोक गुप्ता, डॉ एम रहमान शेख, सलमा मेमन, अनीता तावड़े , प्रदीप पी जैन सोशल एक्टिविस्ट, डॉ दीप्ति जोशी तथा नरेश-दुर्गेश सहित कई अन्य मशहूर हस्तियों को ये एवॉर्ड प्रदान किया गया।

इसी प्रकार बॉलीवुड में जर्नलिज़्म के लिए सीनियर जर्नलिस्ट अमित मिश्रा, सोहेल फिदाई, दिनेश कुमार, दलविन्दर धिमान, रितेश पाठक, जयेश गोहिल, नासिर तगले, देवेंद्र खन्ना, रमाकांत मुंडे, कृष्ण के शर्मा व दलविंदर खन्ना, डीओपी तथा बॉलीवुड के मशहूर फोटोग्राफर राजेश कोरिल एवं मोहन राजपूत को भी ये चर्चित व प्रशंसित एवार्ड देकर सम्मानित किया गया। राजन कुमार ने इस अवॉर्ड शो की एंकरिंग की।अपने आप में अनूठे और बेहद खास इस एवार्ड शो के आयोजक बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक कृष्णा चौहान हैं, जो पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं।

कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के अंतर्गत कृष्णा चौहान कई एवार्ड्स शो का आयोजन करते आये हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड एवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड और लीजेंड दादासाहेब फाल्के एवॉर्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जाता रहा है। इस साल वह अपने बर्थडे पर 4 मई को इंडियन सिनेमा का सबसे बड़ा अवार्ड लीजेंड दादासाहेब फाल्के एवॉर्ड 2021 मुम्बई मे कराने जा रहे है।

शहनाज गिल के नए गाने 'Fly' पर आया सिद्धार्थ शुक्ला का रिएक्शन, किया ट्वीट

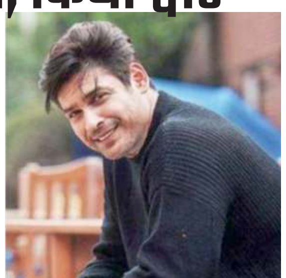

एक्ट्रेस और 'बिग बॉस 13' एक्स कंटेस्टेंट शहनाज गिल का नया गाना 'फ्लाई' कुछ समय पहले ही रिलीज हुआ है। गाना रिलीज होते के साथ ही चार्टबस्टर हिट हो चुका है। शहनाज गिल के इस गाने को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने को सुनने के बाद शहनाज गिल के जिगरी दोस्त सिद्धार्थ शुक्ला का भी इस पर रिएक्शन आया है।

सिद्धार्थ शुक्ला ने ट्वीट कर लिखा, "मैंने अभी फ्लाई गाना सुना और मुझे सच में यह बहुत पसंद आया। बदशाह, मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं और शहनाज गिल तुम तो हमेशा की तरह शानदार नजर आ रही हो। मुझे तुम पर गर्व है। गर्ल, तुम अद्भुत हो।"

शहनाज गिल और बादशाह पहली बार स्क्रीन पर नजर आ रहे हैं। दोनों ने एक साथ आते ही फैन्स को खूब इंप्रेस किया है। जैसा की शहनाज गिल अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पहले ही बता चुकी हैं कि इस गाने की शूटिंग कश्मीर की वादियों में हुई है।

फिल्म अभिनेता जैकी श्राफ ने 'एनिमल केयर वैन' अभिनेत्री आयशा जुल्का को 'गिफ्ट' दिया

मुंबई / लोनावाला : मुंबई की सामाजिक संस्था,'एकता मंच' और सोसायटी फॉर एनीमल सेफ्टी, इंडिया (SAS) दोनों ने मिलकर अब लोनावला में एनीमल सेफ्टी के लिए साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया है। जिसके लिए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन कौल विला, लोनावाला (महाराष्ट्र) में 4 मार्च 2021 में किया था। इस कार्यक्रम में फिल्म अभिनेता जैकी श्राफ ने जानवरो की सुरक्षा हेतु एक 'एनिमल केयर वैन' अभिनेत्री आयशा जुल्का 'गिफ्ट' दिया। इस अवसर पर जैकी श्राफ, एकता मंच' के अध्यक्ष अजय कौल, सोसायटी फॉर एनीमल सेफ्टी, इंडिया के फाउंडर व अध्यक्ष नितेश खरे तथा उपाध्यक्ष व फिल्म अभिनेत्री आयशा जुल्का, चिल्ड्रन वेलफेयर सेंटर हाई स्कूल के एक्टिविटी चेयरमैन प्रशांत काशिद तथा लोनावला के कई राजनीति, सामाजिक संस्था के लोगों ने इस कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाया।

विभिन्न सामजिक कार्यो से जुडी सामाजिक संस्था 'एकता मंच' के अध्यक्ष अजय कौल ने इस अवसर पर जैकी श्राफ, अभिनेत्री आयशा जुल्का व नितेश खरे को धन्यवाद दिया। और अजय कौल ने कहा," हमलोग घायल,बीमार, भूखे जानवरों के लिए यह शुरू किया है। जिससे उनको भी सुरक्षा दे सके और मदद कर सके। जल्द ही हमारी संस्था लोनावला में ' एनिमल सेलटर' की भी शुरुवात करेगी।"

आयशा जुल्का और उनके पति ने लोनावाला में नगर निगम की मदद से कुत्तों के लिए 25 आकर्षक और स्वच्छ फीडर पॉइंट शुरू किए। उचित व नियमित भोजन व्यवस्था और आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए श्री जैकी श्रॉफ ने आयशा को एक 'एनिमल केयर वैन'गिफ्ट दिया।

श्री अजय कौल और कुछ पशु प्रेमियों के साथ मिलकर आयशा ने जरूरतमंदों और घरेलू पशुओं के लिए एक पशु अस्पताल और पशु घर शुरू करना चाहती है।

कोरोना वैक्सीन लगवाने के चलते ट्रोल हुए सैफ अली खान, फैन्स बोले- 60 के हो गए क्या?

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान हाल ही में मुंबई में कोविड-19 वैक्सीन शॉट लगवाने के बाद स्पॉट किए गए। सोशल मीडिया पर इनका यह वीडियो खूब वायरल हुआ था। अब फैन्स, सैफ अली खान को ट्रोल कर रहे हैं। उनका कहना है कि क्या सैफ अली खान, 60 की उम्र के पार हो चुके हैं जो कोविड-19 वैक्सीन लगवाकर बैठे हैं? यहां तक कि सीनियर सिटिजन यानी 60 की उम्र से ज्यादा वालों के लिए है।

मालूम हो कि सैफ अली खान हाल ही में चौथी बार पिता बने हैं। वह बेबी को लेकर सभी सावधानियां बरत रहे हैं। डिलीवरी के बाद करीना कपूर खान हाल ही में अपने दोस्त मनीष मल्होत्रा की हाउस पार्टी में स्पॉट हुई थीं। इस दौरान सैफ

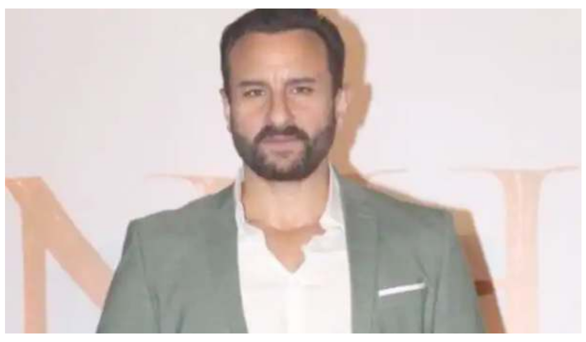

सैफ सीनियर सिटिजन की कैटगरी में भी नहीं आते हैं।

एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि 45 साल से ज्यादा उम्र वाले लोग इस वैक्सीन को लगवा सकते हैं, अगर उनमें किसी बीमारी के लक्षण आ रहे हैं। गर्वमेंट गाइडलाइन्स के मुताबिक, कोविड-19 वैक्सीन केवल अली खान भी वहीं पहुंचे थे।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से कई लोगों के वैक्सीन लेने की खबर आ चुकी है। हाल ही में सतीश शाह और राकेश रोशन के कोरोना वैक्सीन लेने की खबर आई थी। बॉलिवुड ऐक्ट्रेसस में सबसे पहले शिल्पा शिरोडकर ने वैक्सीन लगवाई थी।

इब्राहिम अली खान की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए शाहरुख खान के लाडले आर्यन, फैन्स बोले- वाह, क्या चाल है?

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान ने अपना 20वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर इन्होंने बहन सारा अली खान के साथ एक पार्टी रखी, जिसमें बॉलीवुड स्टार किड्स शामिल हुए। इस पार्टी में शाहरुख खान के लाडले बेटे आर्यन खान भी शामिल रहे। इसके अलावा आलिया फर्नीचरवाला, ऐश्वरी और अंजनी धवन भी नजर आए। आर्यन खान ब्लू जीन्स और ब्लैक टी-शर्ट में नजर आए। सच में आर्यन खान काफी हैंडसम लग रहे थे।

सोशल मीडिया पर आर्यन खान का इब्राहिम की बर्थडे पार्टी में आते हुए का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में आर्यन का वॉकिंग स्टाइल देखकर फैन्स काफी इंप्रेस हो रहे हैं। एक फैन ने लिखा, "ठीक है, यह लड़का बेहद हैंडसम और कूल है। देखो तो जरा इसकी वॉक। कितनी सेक्सी और एटीट्यूड से भरी है।" वहीं, एक और यूजर ने लिखा, "यह एकदम अपने पापा शाहरुख खान की कॉपी लगता है। कितना हैंडसम हो गया है।"

भविष्य में आर्यन खान फिल्मी दुनिया में कदम रखेंगे या नहीं, इस पर शाहरुख खान ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि वह अच्छा दिखता है, लंबा है, ठीक है, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि वह एक्टिंग की दुनिया में आएगा। वह एक अच्छा राइटर जरूर है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को अब तलाक नहीं देना चाहती हैं वाइफ आलिया सिद्दीकी, एक्टर पर लगा चुकी हैं गंभीर आरोप

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी को उनकी वाइफ आलिया सिद्दीकी उर्फ अंजना किशोर पांडे ने बीते साल तलाक का नोटिस भेजा था। इस नोटिस के साथ उन्होंने एक्टर और उनकी फैमली पर गई गंभीर आरोप भी लगाए थे। अब इस मामले में एक नई अपडेट सामने आई है, जिसे जानने के बाद सभी को एक बार फिर से झटका लगेगा है। खबरों की मानें तो आलिया सिद्दीकी अब नवाज से तलाक नहीं लेना चाहती हैं।

एबीपी लाइव के इंटरव्यू के दौरान आलिया ने अपने फैसले को लेकर बात की है। उन्होंने इस दौरान कहा कि वह कोरोना वायरस से पीड़ित है और नवाजुद्दीन सिद्दीकी दोनों बच्चों की देखभाल कर रहे हैं। आलिया नवाज की तारीफ करते हुए बताया है कि नवाज अब उनकी काफी केयर करते हैं । इतना ही जब वह शूटिंग पर होते हैं तो उनका हाल चाल जानने के लिए उन्हें फोन करते हैं। नवाज के इस बदले हुए रूप को देखकर आलिया उनसे काफी खुश हैं और इसलिए वह तलाक नहीं लेने का फैसला किया है।

इससे पहले आलिया ने एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा थी कि नवाज से शादी करना उनके लाइफ की सबसे बड़ी गलती थी। आलिया ने कहा था कि जब से हमारी शादी हुई थी तभी से हमारे बीच में प्रॉब्लम शुरू हो गई थी। आलिया ने नवाजुद्दीन के परिवार पर उनको शारीरिक और मानसिक तौर पर टॉर्चर करने का आरोप भी लगाया था।

उन्होंने अपने बयान में कहा था कि नवाज और उनके भाई को औरतों की इज्जत करना आता है। एक बार नवाज के छोटे भाई अयाज ने उन्हें थप्पड़ भी मारा था क्योंकि उन्होंने उसकी एक गलत हरकत पर आवाज उठाई थी। जब भी हम बात करते थे वह केवल मेरी गलतियां निकालते थे। उन्होंने कई बार लोगों के सामने मेरी बेइज्जती भी की थी। वह कहते थे, 'जब तुम्हें बात करनी नहीं आती, तो चुप रहा करो।' उन्होंने मुझे हमारे रिश्ते में वैसी इज्जत कभी नहीं दी, जैसी पत्नी को मिलती है। मैं इस रिश्ते में अपना सारा स्वाभिमान खो चुकी थी।

श्रीदेवी की मौत के बाद जब जाह्नवी कपूर को 'धड़क' के सेट पर नजर आई थी अपनी मां

श्रीदेवी जब इस दुनिया में थीं तो वह कई बार बताती थीं कि जाह्नवी उनके बेहद करीब हैं और खुशी बोनी कपूर के। वह अपनी बड़ी बेटी के डेब्यू को लेकर भी बहुत एक्साइटेड थीं लेकिन फिल्म रिलीज के पहले ही उनका निधन हो गया। जाह्नवी मां की मौत के बाद दिल मजबूत करके 'धड़क' की शूटिंग पर वापस लौट आई थीं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने इस घटना का जिक्र किया था।

जाह्नवी ने बताया था कि धड़क के एक सीन में उन्हें अपनेआप में हूबहू श्रीदेवी की झलक दिखी थी। जाह्नवी का कहना था कि मैं अपनी मॉम की बेटी हूं पर मुझे पता है कि मैं अलग हूं। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनका एक सीन था जिसमें वह दूध पी रही थीं। यह उनका साइड प्रोफाइल था। सीन शूट होने पर जाह्नवी ने जब इसे देखा तो एकदम से उन्हें लगा कि उनकी मॉम श्रीदेवी हैं। हालांकि तभी उन्हें अहसास हुआ कि अब वह नहीं हैं।

जाह्नवी ने बताया था कि वह जब सुबह उठती थीं तो उनकी मॉम श्रीदेवी वैसे ही बैठकर जूस पीती थीं। उनके दिमाग में शायद वही छवि थी और अचानक से लगा कि वह खुद को नहीं बल्कि मां को देख रही हैं।

सलमान खान के नक्शेकदम पर चले मीका सिंह, शादी को लेकर कही यह बात

आप कब शादी कर रहे हैं?' अक्सर सलमान खान से लोग यह सवाल पूछते हैं। 55 साल के सलमान खान हमेशा इस सवाल को अनसुना कर देते हैं या फिर जवाब घुमा-फिराकर देते हैं। सलमान खान का नाम कई एक्ट्रेसेस संग जोड़ा जा चुका है। इनकी गर्लफ्रेंड्स के चर्चे दूर-दूर तक हुए हैं। इस समय सलमान, यूलिया वंतुर को डेट कर रहे हैं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस पर खुलकर बात नहीं की है और न ही रिलेशनशिप में रहने को लेकर हामी भरी है।

सलमान खान इंडस्ट्री के एकलौते बैचलर हैं, लेकिन अब मीका सिंह भी इनके नक्शेकदम पर चलने की प्लानिंग कर चुके हैं। हाल ही में मीका सिंह 'इंडियन प्रो म्यूजिक लीग' में नजर आए। इसके साथ ही वह पंजाब लाइन्स टीम के कप्तान भी हैं। शो में होने के चलते उन्होंने बताया कि वह खुद के लिए लाइफ पार्टनर ढूंढ रहे हैं, शायद शो में ही उन्हें मिल जाए।

इतनी सस्ती नहीं... टैक्स चोरी मामले में IT रेड पर तापसी पन्नू ने तोड़ी चुप्पी, आरोपों का ऐसे दिया जवाब

टैक्स चोरी के आरोपों के मामले में आयकर विभाग ने (आईटी डिपार्टमेंट) ने तापसी पन्नू और अनुराग कश्यप समेत कई फिल्मी हस्तियों के घर और दफ्तर में छापेमारी की। आईटी डिपार्टमेंट की इस कार्रवाई पर अभिनेत्री तापसी पन्नू ने चुप्पी तोड़ी है और ट्वीट के जरिए अपने ऊपर लगे आरोपों का मजाकिया लहजे में जवाब दिया है। तापसी ने ट्वीट कर बताने की कोशिश की है कि पेरिस में उनके नाम पर न तो कोई बंगला है और न ही 5 करोड़ के भुगतान की कोई रसीद है। उन्होंने यहां तक कहा कि उसकी संपत्ति पर 2013 में कोई छापा नहीं पड़ा था। साथ ही उन्होंने वित्त मंत्री के आरोपों का जवाब दिया है और कहा कि अब वह इतनी सस्ती नहीं हैं।

तापसी पन्नू ने सिलसिलेवार ट्वीट कर बताया कि आईटी विभाग द्वारा किन चीजों की छानबीन हुई। उन्होंने कहा कि तीन दिनों में मुख्य रूप से 3 चीजों की छानबीन की गई है। पहले ट्वीट में तापसी ने कहा- 1. 'कथित' बंगले की चाबी जो मैं जाहिर तौर पर पेरिस में रखती हूं, क्योंकि गर्मियों की छुट्टियां होती हैं। वहीं अपने दूसरे ट्वीट में वह कहती हैं, 'कथित' पांच करोड़ रुपये की रसीद जो भविष्य के लिए है। बता दें कि आयकर विभाग ने कहा था कि उनकी छानबीन में तापसी पन्नू को पांच करोड़ का नकद भुगतान किया गया था और उसकी रसीद उनके घर से मिली है।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक राष्ट्रव्यापी पहल

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन एक राष्ट्रव्यापी पहल है जो छात्रों को हमारे दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, और इस प्रकार उत्पाद नवाचार की एक संस्कृति और समस्या को सुलझाने की मानसिकता विकसित करता है। हैकाथॉन की सफलता इनोवेट, पेटेंट, प्रोड्यूस एंड प्रोस्पर पर आधारित है। हैकाथॉन इवेंट में सभी स्टेक होल्डर्स के लिए फायदे हैं, जैसे कि हेल्थ-हैकथॉन, लॉ-हैकथॉन, आर्किटेक्चर-हैकर्थान, एग्रीकल्चर-हैकथॉन और रूरल हैकाथॉन जैसे मल्टीपल सेक्टर है। ऐसे हैकथॉन नवोदित अभिनव कृषक, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, डॉक्टर, वकील, प्रबंधक प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करते हैं। हैकाथॉन छात्रों को एक टीम के रूप में एक दूसरे के बीच प्रतिस्पर्धा, वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए तकनीकी समाधान प्रदान और पुरस्कार जीतने का अवसर प्रदान करता है। इंस्टीट्यूट्स के लिए यह एक अतिरिक्त ब्रांडिंग मूल्य प्रदान करता है, जब संस्थान के छात्र अन्य प्रतियोगियों के साथ राष्ट्रीय स्तर के हैकथॉन में प्रतिस्पर्धा करते हैं।

यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। हैकाथॉन वास्तविक जीवन की व्यावसायिक समस्याओं और सामाजिक मुद्दों के लिए निरंतर नवाचार और क्राउडसोर्स समाधान प्राप्त करने का एक उपकरण है। हैकाथॉन आमतौर पर एक समयबद्ध प्रतिस्पर्धी घटना है जहां प्रतिभागी एक विशिष्ट पूर्व-परिभाषित समस्या के लिए अवधारणा और न्यूनतम व्यवहार्य उत्पादों का नवाचार करने के लिए सहयोग करते हैं। परंपरागत रूप से, एक समर्पित आर एंड डी या नवाचार के लिए एक विशिष्ट इकाई को कार्य सौंपा जा रहा था लेकिन आजकल, कंपनियां, दोनों बड़े और सुधार करने का नेतृत्व करते हैं।

हैकाथॉन का प्रारूप अंतःविषय अनुसंधान में विश्वास करता है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की विशेषज्ञता एक साथ आती है और उन मॉडलों का उत्पादन करने में सहयोग करती है, जो प्रोटोटाइप आधारित होते हैं और अभिनव समाधान प्रदान करते हैं। निकट भविष्य में, सहयोगात्मक कार्य में विशेषज्ञता के साथ अभिनव और रचनात्मक प्रथाओं, प्रमाणपत्र और पेटेंट के माध्यम से सशक्त नेतृत्व का आला क्षेत्र होगा

इस प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में,

छोटे, नवाचार चलाने के लिए हैकथॉन का संचालन कर कर रहे हैं। आज जिस तरह से कार्यबल जुड़ा हुआ है, उससे सहयोगी नवाचार आसान है। हैकथॉन से प्राप्त ठोस विचारों ने शीर्ष पायदान उत्पादों, बेहतर ग्राहक अनुभव और अधिक राजस्व देने में मदद की है। आज उद्योग हैकथॉन के संचालन को एक तकनीक के रूप में बिक्री को बढ़ावा देने, उत्पाद को नया करने और उपयोगकर्ता बाजार में अपनी ब्रांड छवि को बढ़ाने के लिए उपस्थिति दर्ज करा रहा है। हैकथॉन संस्कृति को बदलने, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, राजस्व के नए अवसरों को खोजने, लागत को कम करने, नए पारिस्थितिकी तंत्र को शामिल करने और प्रतिभा प्रबंधन में संगठनों, कंपनियों, संस्थानों, एंटरप्रेनर्स, स्टार्ट अप फर्मों और छात्रों के सर्वोत्तम हित में है जो पेशेवर होने के इच्छुक हैं, क्षेत्र में होने वाली घटनाओं के बारे में अद्यतन प्राप्त करने का प्रयास करें। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन आत्म उत्थान की दिशा में पहला कदम साबित हो सकता है। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन की वेबसाइट www.sih.gov.in पर विवरण का अध्ययन करें। हैकथॉन पहल के साथ नामांकित संस्थानों को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन पहल से लाभ चाहने वालों के लिए तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन राष्ट्र की सेवा के रूप में प्रदान की जाती है। आप वेबसाइट tsapmumbai.in पर और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मोरारी बापू की व्यासपीठ के सूरीले साथी - गायक वादक वृंद

पूज्य मोरारी बापू की व्यासपीठ कभी संकीर्ण नहीं रही। बावाजी की यह फूलवारी विश्व वाटिका है। व्यासपीठ ने धर्म जगत और अध्यात्म जगतमें मानो क्रांति कर दी है! अध्यात्म जगत में स्पर्धा नहीं होती, श्रद्धा ही होती है- गुणातीत श्रद्धा!अगर स्पर्धा होती, तो व्यासपीठ ने बहुत सारे विश्व रेकॉर्ड अपने नाम कर दिये होते! कथा जगत में संगीत कथा का प्रारंभ तलगाजरडी व्यासपीठ ने किया है। सात की बड़ी महिमा है। संगीत के सप्त सूर है। व्यासपीठ के साथ भी सप्त साथी है। राम चरित मानस के सोपान सात है। समंदर सात है। पृथ्वी पर सात खंड है। आस्मान के प्रमुख ग्रह भी सात है। पृथ्वी पर सात खंड है...... इतना महिमावंत सप्तांक व्यासपीठ की सूरीली संगत के साथ भी जूड़ा है। यह सप्त रत्न में सब से पहले है - श्री हरिश्चंद्र जोशी। आप सुगम गीत के गायक है। मानस का गान और लोक साहित्य के भी मरमी है। आवाज में समुद्र तरंगे जैसा गांभीर्य है।आप बहुत अच्छे कवि है। उत्तम उद्घोषक है। दूसरे श्री दिलावर समा। आप सालों से व्यासपीठ की सेवा में समर्पित है। मंजीरा वादक है। कभी दोहे छंद गा लेते है।शेरों-शायरी भी कर लेते है। भी तीसरे है श्री कीर्तिभाइ लुंबानी। आप राम कथा में व्यासपीठ के प्रमुख गायक के रुप में मानस की चौपाई गान में संगत करते है। चौथे साथी है - हार्मोनियम वादक श्री रमेशभाइ चंदाराणा। आप व्यासपीठ के साथ सूर सजाते है। पंचम सूर में गाना हो, तब रमेशभाइ को याद करना पड़ता है। पांचवे श्री पंकज भट्ट - जो सालों से व्यासपीठ के साथ ताल मिलाते हैं।आप उत्तम तबला वादक है। कभी कभार कविता भी रच देते है।कभी कभार बापू की आज्ञा से सूरीली आवाज में गा भी सकते है। छठे है श्री हितेशगिरी गोसाई। आप उत्तम बेन्जो वादक है। अभी कूछ दिनों से आप बापू के शुभाशीष से गायकी में भी आगे बढ रहे है।आप की आवाज़ में एक दर्द सा महसूस होता है। सातवें है श्री गजाननजी। आप उत्तम प्रकार के शहनाई वादक है। आप महाराष्ट्र से है। कई सिनेमामें आपने शहनाई बजाई है। आज भी फिल्म से जूड़े है। अपने शिष्यों को बिना पैसे लिए शहनाई वादन सिखाते है।इतनी साल के रियाज से और बुद्ध पुरुष की छत्र छायामें सभी गायक- वादक शास्त्रिय संगीत के भी मरमी हो चूके है। सब की कला को हम वंदन करते है। व्यासपीठ इन सप्त रत्नों से सुशोभित है।

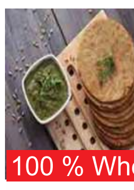

KAANT FOODS®

Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

गंगा का सागर में समा जाना शरणागति का उत्तम उद्धरण है

(दुसरा दिन) गंगा गोमुख से निकली और सागर में समा गई। बुद्ध पुरुष के मुख से निकलती कथा गंगा भी राम रूपी सागर में समा जाती है। गोमुख से निकली गंगा का एक रूप है, गंगासागर की गंगा दिखाई नहीं देती। क्योंकि रूप दिखता है, स्वरूप दिखता नहीं है।रूप अनेक होते हैं, स्वरूप एक ही होता है। रूप बहिर् है, स्वरूप भीतर है। रूप उद्गम है, स्वरूप अंजाम है।बुद्ध जन धर्मगुरु की श्रेणी में आता है। जबकि बुद्ध जन सद्गुरु की श्रेणी में आता है। बुद्ध पुरुष की बातें सही रूप में समझे, ऐसी व्यक्ति कहां है?सवाल यह है कि हम अपनी बातें किसे कहें? जो समझने की पात्रता रखते हो, उसे ही कथा सुनाने की बात है। हर किसी को नहीं सुनाना- इसका मतलब उपेक्षा या तिरस्कार नहीं है। सब समझ नहीं पाएंगे, इसलिए समझदार को ही सुनाने की बात है। अगर सद्गुरु के चरण का अधिकारी होना है, तो सूखे पत्ते की तरह बह जाना। बुद्ध पुरुष को कहना कि - "कुछ भी करो, हमें संग रखो। बुद्ध पुरुष को हमेशा अपना हमसफर बनाए रखना।बुद्ध पुरुष न स्वामी है, न शिष्य। न मालिक है न सेवक। सद्गुरु ही हमारा सच्चा संगीसाथी है। वही हमारा हमसफर है। बुद्ध पुरुष का एक ही लक्षण है। वह इस बात को स्वीकार कर लेता है कि" जो प्राप्त है वही पर्याप्त है।" पूज्य बापू ने अपने दादा गुरु का स्मरण करते हुए कहा कि दादाजी ने आप से कहा था कि "हम जैसों के लिए "भेद भक्ति" श्रेष्ठ है। तू स्वामी, मैं सेवक। तू मालिक, मैं तेरा किंकर। तू दानी, मैं भिखारी। तु शिव, में जीव। - ऐसा भेद अनिवार्य है। इसको भेदभक्ति कहते हैं। वैसे भक्ति में कभी भेद नहीं होता। भगवान श्री राम शबरी के घर जाते है। जो कोई राम तत्व को जान लेता है, वह फिर बाकी सब कुछ छोड़ देता है। जनक और वशिष्ठ जैसे महामना भी राम तत्व को जान लेने के बाद धर्म तक को छोड़ देते है। कुछ भी जानो, लेकिन तत्व को नहीं समझे- तो सब बेकार है। जब आत्म तत्व की पहचान हो जाए तो बाकी सब छूट जाता है। भेद भक्ति का अर्थ यह है कि - "सद्गुरु स्वामी है, मैं सेवक हूं।" बापू ने कहा कि मैं ध्यान नहीं करता, पर दादाजी के दिए हुए सूत्रों को पकड़ने की कोशिश में मैं दादा जी का सुमिरन करता रहता हूं।यही मेरा ध्यान है। गलत हाथों में अमृत भी विष हो जाता है, और सही हाथों में विष अमृत हो जाता है! गंगासागर अंतर् यात्रा का स्वरूप है। बुधजन से बुद्ध जन बनने का उपाय है केवल प्रसाद! हमारे जीवन की यात्रा पानबाई की तरह सूखा पत्ता बनकर बहती रहे, तो सद्गुरु ही समुद्र है।सद्गुरु करुणार्णव है। बापू ने कहा कि राम एक ही है। राम अद्वितीय ब्रह्म, शुद्ध बुद्ध ब्रह्म है। जो परम तत्व है, उसी का नाम राम है! अवतार परंपरा ने राम को विष्णु का अवतार बताया है, लेकिन जिन्होंने परम तत्व राम को जाना है, वह कहते हैं कि "सर्वोपरि सत्ता का नाम ही राम है - कृष्ण है - शंकर है।" पूज्य बापू ने रामचरितमानस में से तलगाजरडी दृष्टि से नवीनतम अर्थ का सूत्रपात किया कि - "भरत विष्णु का अवतार है, शत्रुघ्न ब्रह्मा जी का अंश है, और लक्ष्मण महादेव का अवतार है। और राम अकथनीय, अवर्णनीय, शब्दातीत, भाषातीत, गुणातीत तत्व है। गुरु ऐसा ढूंढना, जहां से मूल तत्व मिल जाए! जिस की दृष्टि में पावन- अपावन, शुभ - अशुभ का द्वंद्व खत्म हो गया हो, वह ब्रह्म है। जो बिना पैर चल सकता है, वह राम है। बिना कान सुन सकता है, वह राम है। राम कथा कालीका है- कठोर है, और चंद्रकिरण की तरह सब को सुख देने वाली भी है।

तीसरा दिन : कथा के प्रारंभ में पूज्य बापू ने कहा कि भगवान शंकर के सो नाम है। नारद जी को जब पीड़ा हुई, तब उन्होंने भी सौ बार शंकर नाम का जप करते हुए शांति पाई थी। शत नाम शंकर का जप करने से विश्व का अपराध क्षम्य हो जाता है।वैसे शंकर में तीनों देवता समाविष्ट है। शं माने शिव- कल्याण! क माने कृष्ण और र माने राम। - शंकर में सत्य, प्रेम, करुणा का संगम हो गया। राम- राम कृष्ण - कृष्ण जपते जपते अगर शंकर का नाम जप लो, तो चिंता मत करना। अपने दादा गुरु ने पूज्य बापू को समझाया था कि एक तट पर राम एक तट पर काम और बीच में प्रेम होता है। राम का नाम लो और राम का काम ना करो, तो प्रसन्नता नहीं मिलती। राम नाम के साथ राम काम करना भी आवश्यक है। हम प्रसन्नता के अधिकारी है, लेकिन हमारी बाधा हम खुद है। खुद के कारण ही हमें प्रसन्नता नहीं होती है।बापू ने कहा कि वंचितों के पास, उपेक्षित और आखिरी इंसान के पास जाओ। यह राम काम है। दादा ने कहा था - "राम नाम कम लो, कोई चिंता नहीं। तू राम काम कर। राम का नाम तेरे बदले मैं ले लूंगा।" जब हम राम का काम करते हैं, तब हमारे सद्गुरु हमारे लिए राम नाम जपते रहते है।बापू ने कहा कि मुझे गाने के लिए भीड़ की आवश्यकता नहीं है। मैं रात में अकेला गा लेता हूं। राम का काम अनारंभ होकर करो- सर्वरंभ समाप्त करके करो। कभी कोई सिद्धांत के लिए साधु के अंतः करण की प्रवृत्ति प्रमाण होती है। उसे शास्त्र प्रमाण की आवश्यकता नहीं। भेद भक्ति में तो गुरु की आज्ञा हो गई, बस बात खत्म।हमारे अंतःकरण की प्रवृत्ति प्रमाण नहीं मानी जाएगी, क्योंकि हमारा मन चंचल है, हमारी बुद्धि व्यभिचारिणी है, हमारे चित्तमें क्लेश है, और हम अहंकार से भरे है। इसलिए हमारा अंतःकरण शुद्ध नहीं है। हमें प्रवृत्ति परायण और निवृत्ति परायण महापुरुषों के अंतःकरण की प्रवृत्ति को प्रमाण मानना है। तुलसीदासजी सामान्य कवि नहीं है। सरस्वती शुद्ध रूप में जब अवतार लेती है, तब किसी के हृदय से कविता प्रकट होती है! तुलसीदासजी में यहां कवि की दीनता प्रगट होती है। लेकिन यह दीनता का भी गौरव है।मानस में निवृत्ति परायण आचार्य कोई है, तो वह है - विश्व गुरु, त्रिभुवन गुरु भगवान शंकर। और प्रवृत्ति परायण महापुरुष भरत है, जो निरंतर राम कार्य में प्रवृत्त है। भरतजी आचार्य शिरोमणि है। महादेव जिस पंक्ति को उच्चारित करते है, वही भरत जी भी करते है। यह पुनरुक्ति दोष नहीं है। दोनों एक ही सत्य की बात करते हैं। शिवजी के सामने राम प्रगट हुए, तब शिवजी सेवक के रूप में है, इसलिए विनती करेगा। सेवक होगा वह विनती करेगा। सखा होगा वह आग्रह करेगा। और

स्वामी होगा वह आज्ञा करेगा। एक जिज्ञासा थी कि अधम किसे कहें? बापू ने कहा कि "सियाराम मय सब जग" है। इसमें अधम कोई नहीं।अध्यात्म जगत में भले ही अधम ना हो, लेकिन व्यवहार जगत में कोई न कोई कमजोरियां सब में दिखाई देती है। साधु चरित् लोग अपनी कमजोरियां स्वीकार कर लेते है। बापू ने कहा कि तलगाजरडी दृष्टि में अधम की एक ही व्याख्या है - "जो मन, वचन, कर्म से निरंतर औरों को पीड़ा दे वही अधम है। एक जिज्ञासा के समाधान में बापू ने कहा कि बुध जन, बुद्ध जन, बद्ध जन और बुद्धू जन - चारों में अंतर है। बद्ध जन वो है, जिसको पता नहीं कि बंधन का कारण क्या है? वास्तव में खुद का बंधन वह खुद ही है। दूसरा बुद्धू जन- जिसको बंधन ही अच्छा लगता है! उसे पता है कि बंधन का कारण क्या है? लेकिन वह छोड़ना नहीं चाहता। ऐसे लोग बुद्धू जन है।बुध जन यानी कि साक्षर-विद्वान। उसे पता है कि मुक्ति क्या है, और बंधन क्या है?वह व्याख्या कर देता है, समझ सकता है, पर अक्सर बंधन को तोड़ नहीं सकता।एक, विविधता - बुद्ध पुरुष 'दिने दिने नवम् नवम्' - यानी कि रोज नए होते है।बिल्कुल सामान्य लगते हो, फिर भी वे असामान्य होते है। दूसरा लक्षण है- विशेषता। उसे देखते ही हमें पता चल जाता है कि यह आदमी कुछ विशेष है।तीसरा, विलक्षणता। बुद्ध पुरुष या तो विगत लक्षण या फिर मानवेत्तर लक्षण वाले होते है। चौथा लक्षण है- विचित्रता। जैसे भगवंत गति अति विचित्र होती है, वैसे ही बुद्ध पुरुष भी अति विचित्र होते है। पांचवा लक्षण है- विलासिता। वे चिद् विलास- चैतसिक विलास में जीते है। ऐसे बुद्ध पुरुष को समझना जरा मुश्किल है। उसके विलास में वैराग्य है, रजोगुण नहीं है - यह गुणातीत विलास है।कथा के क्रम में प्रवेश करते हुए पूज्य बापू ने कहा कि याज्ञवल्क्यजी ने राम कथा से पहले शिव कथा सुनाते है। बापू ने कहा कि सद्गुरु हमारा सखा है। हमारा हाथ पकड़ कर चलता है। सख्य में एक दूसरे की परिपूर्ण जानकारी होती है परमात्मा हमें सखा बनाना चाहते है, हम उसकी आरती उतार उतार कर- उसे अपने से दूर कर देते है!

चौथा दिन : रामचरितमानस के प्रसंग में विश्वामित्र के संग राम लक्ष्मण शुभाश्रम में पहूंचे। विश्वामित्रजी ने राम को बला और अतिबला नामक शक्ति प्रदान की। दूसरे दिन राम जी ने यज्ञ आरंभ करने को कहा। यज्ञ शुरू होते ही आसुरी तत्व यज्ञ भंग करने आये। तब रामजी ने सुबाहु को निर्वाण दिया। मारीच को बिना फणे का बाण मारकर शत जोजन दूर फेंक दिया। यज्ञ संपन्न हुआ। तब विश्वामित्रजी ने कहा कि "एक यज्ञ तो आपकी कृपा से संपन्न हो गया। लेकिन अभी और यज्ञ बाकी है।अभी हमें आगे यात्रा करनी होगी।" बापू ने कहा कि - "जो भी साधना हम और आप एक निश्चित साधन से करते है, उस साधना के परिणाम से आप संतुष्ट नहीं हो जाना।अपनी संपदा को कई अधूरे यज्ञ में आहुति देने के लिए उपयोग में लेना। यदि हमारा जीवन पवित्र प्रवाह में हो, तो हमें सोचना चाहिए कि हमारा गंग प्रवाह है या भंग प्रवाह है? - हमें दूसरों के अधूरे यज्ञ पूर्ण करवाने है।" राम सुमिरन है, काम सेवा है। सुमिरन भीतर है, सेवा बहिर् है। कई लोगों ने सेवा की, पर सुमिरन नहीं किया। इसलिए सेवा करने का अहंकार बढा, विनम्रता खो गई। सेवा के साथ सुमिरन करना बहुत आवश्यक है। वैसे तो संतुष्ट हो जाना अच्छा है, लेकिन हमारी संतुष्टि के साथ-साथ दूसरों की सेवा करना भी आवश्यक है।बापू ने कहा कि कोरोना काल में भी मैं तो गाथा ही रहा। प्रारंभ में अकेले- अकेले गाता था।और अब जैसे-जैसे स्थिति सुधरने लगी है, तब- सावधानी के साथ- व्यासपीठ फिर से व्यापक बन रही है।जीवन का प्रवाह गतिशील होना चाहिए। गंतव्य प्राप्ति होने से संतुष्ट मत हो जाना। कई और यज्ञ आपकी प्रतीक्षा करते है।नियम के अनुसार तो विश्वामित्र के यज्ञ का अनुष्ठान पूरा करने के लिए ही राम जी गए थे। कार्य पूरा करने के बाद उसे लौट आना चाहिए था। लेकिन भारत का एक ऋषि भगवान को मार्ग दिखाता है कि - "अभी आगे जाना है। पूरी पृथ्वी आपकी प्रतीक्षा कर रही है।" बापू ने कहा कि - "हमारी जीवन यात्रा पूरी होने के बाद हमें पता नहीं कि हमें कहां से आरंभ करना है? कोई संत हमारी आगे की यात्रा का आरंभ करवाता है। हार्ट में राम को रखना, हाथ में काम को रखना। सुमिरन मन में करो, सेवा सुमिरन के साथ चलेगी तो अहंकार नहीं होगा।बापू ने आज श्रोता के प्रकार बताए।श्रोता के मुख्य दो प्रकार है। एक अवर श्रोता और दूसरा प्रवर श्रोता। अवर श्रोता के चार प्रकार है - वृक, उरंड, वृष और ऊंट।वृक मा भेड़ बकरी। ऐसे श्रोता कथा के प्रवाह में बीच में बोल देते है। कथा की लीनता - तल्लीनता चल रही हो, तब बीच में जो बोले वह वृक है।दूसरा प्रकार- उरंड श्रोता। तीसरा प्रकार है - वृष श्रोता। वृष माने बैल। बैल को घास की पुड़िया दे दो, तो वह खाएगा। अगर घास में अंगूर डाल दो, तो भी उसे फर्क नहीं पड़ता। कई श्रोता ऐसे है, जो कथा सुन लेते है- पर कौनसा सूत्र अपने लिए सही है, वह नहीं जानते। विवेक से सुनोगे, तो ही समज पाओगे। वर्ना घास हो या द्राक्ष - फर्क समज में नहीं आयेगा। चौथा प्रकार है ऊंट श्रोता। ऊंट को आप अगर आम खिलाने जाओगे, तो भी वह तो नीम के पान ही खाएगा।आम की मिठास का उसे कोई पता नहीं। उसे तो नीम के कड़वे पत्ते ही खाने हैं। ऐसे श्रोता ऊंट श्रोता है।प्रवर श्रोता भी चार प्रकार के हैं।चातक, शुक, मीन और हंस।चातक पक्षी स्वाति नक्षत्र में जो पानी की बूंद गिरे, उसे ही पीते हैं। चातक बहती हुई नदी, सरोवर, या सागर का पानी नहीं पिएगा। पर स्वाति नक्षत्र में जो जलबिंदु गिरे, उसी को पिएगा।चातक श्रोता केवल हरि नाम के लिए तरसते रहते है। जैसे ही भगवत कथा आरंभ हुई, ऐसे श्रोता कथा के रसपान में मग्न हो जाते हैं।दूसरा है - शुक श्रोता। अपने मालिक जैसा बताएं, वही बात

क्रमश : शेष अगले अंक में

रामकथा के यजमान अरुण भाई सराफ की दरियादिली

कोलकाता के उद्योगपति श्री अरुण भाई सराफ व्यास पीठ के समर्पित श्रोता है। मोरारी बापू की रामकथा के दौरान भंडारा चलता है। वहीं पर यहाँ के बहुत सारे परिवार प्रतिदिन सुबह-शाम प्रसाद ग्रहण करते है। इतना ही नहीं, यहाँ के जरूरतमंद १००० परिवार को अरुण भाई की तरफ से करीबन १५ दिन तक चले, इतने राशन की किट दे दी गई है। मोरारी बापू ने जब व्यासपीठ से ईस बात की सराहना की, तब अपनी इच्छा भी जाहिर की, कि हर साल एक बार ऐसे १००० परिवारों को राशन किट दी जाए। बापू की इच्छा को आज्ञा समझकर अरुण भाई ने मनोरथ किया है कि हर साल ऐसे हजार परिवारों को राशन किट दे दी जाएगी। अरुण भाई के बिजनेस मैनेजर श्री सिन्हा साहब, श्री बृजेश पांडे जी और उसकी पूरी टीम कथा के आयोजन के इस भगीरथ कार्य में लगी हुई है।आने वाले मेहमानों की निवास - भोजन व्यवस्था एवं उनके आने जाने की व्यवस्था में जूटे हुए है। इन लोगों की रात दिन की मेहनत की वजह से सभी मेहमान इस दुर्गम स्थान पर भी सहूलियत महसूस कर रहे है। अरुण भाई एक ऐसे उद्योगपति है, जिसकी फेक्ट्री के सभी कर्मचारियों के लिए पीछले पांच साल से दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई है। इस बात पर भी मोरारी बापू ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। श्री सिन्हा साहब और बृजेश पांडे जी ने हमें बताया कि अरुण भाई द्वारा प्रतिवर्ष वृद्धाश्रम, गौशाला, अस्पताल, और जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई की व्यवस्था भी की जाती है। इस तरह कोलकोता के एक दरिया दिल उद्योगपति द्वारा मानव सेवा का जो निरंतर यज्ञ चल रहा है, वह सराहनीय है। छपते छपते दैनिक अखबार द्वारा आपको धन्यवाद दिया जाता है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।